रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार
11 दिसंबर -2025
वर्ष 10, अंक 97
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

सहकारिता से समृद्धि

डॉ प्रदीप वर्मा का राज्यसभा में जोरदार मुद्दा उठाया

अन्नपूर्णा गुप्ता, प्रधान संपादक ,नई दिल्ली/ नई दिल्ली ।शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में सांसद डॉ.प्रदीप वर्मा ने झारखंड में प्राथमिक कृषि साख समितियों (PACS) को मजबूत बनाने और राज्य में सहकारिता को बढ़ावा देने संबंधी महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए।

किसानों और युवाओं के लिए सहकारी इकोसिस्टम डॉ. वर्मा ने केंद्र सरकार से पूछा कि राज्य में पैक्स के आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनका लक्ष्य था कि किसान और युवा सहकारिता के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिले।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री का जवाब- केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोळ ने सदन को बताया कि केंद्र सरकार देशभर में पैक्स को बहुउद्देशीय, तकनीक-सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत प्रशिक्षण, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय सहयोग और नीति सुधारों के माध्यम से मजबूत सहकारी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

कंगना रनोट बोलीं-

पीएम मोदी दिलों को हैक करते हैं ईवीएम को नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के 8वें दिन बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही जारी है। लोकसभा में चुनाव सुधार और एसआईआर पर चर्चा जारी है।

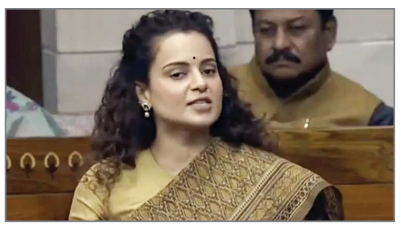

भाजपा सांसद कंगना रनोट ने कहा विपक्ष ईवीएम हैक करने की बात करता है ये भूल गए हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी दिलों को हैक करते हैं ।वहीं सपा की डिंपल यादव ने कहा कि सरकार एसआईआर के जरिए एनआरसी लागू कर रही है।

कंगना बोलीं- एक देश एक चुनाव लागू किया जाए भाजपा सांसद कंगना रनोट ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि ये हर दिन एसआईआर, एसआईआर कर हंगामा कर रहे थे। दिल दहल जाता था इनको देखकर।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने महिला पत्रकार को आंख मारी

● लोग बोले- ये देश मजाक बन चुका है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान एक महिला पत्रकार को आंख मारी है। इस घटना का वीडियो

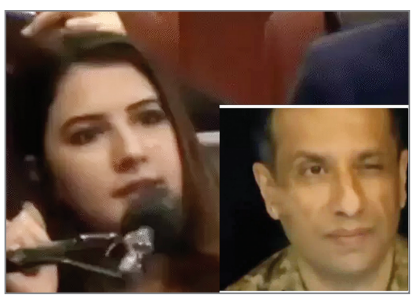

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पत्रकार अब्सा कोमान ने चौधरी से पूछा था कि इमरान खान पर लगाए जा रहे आरोप जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा, एंटी-स्टेट और दिल्ली के इशारों पर काम करना पहले के आरोपों से कैसे अलग हैं और क्या आगे कोई नई कार्रवाई की उम्मीद है।

एआई तय करेगा कौन जिंदा रहेगा, कौन मरेगा

अमेरिका-चीन की एआई रेस से दुनिया खतरे में, एक्सपर्ट बोले- इंसान जंग को संभाल नहीं पाएगा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में कई प्राइवेट कंपनियां रक्षा विभाग पेंटागन के साथ मिलकर नए एआई हथियार बना रही हैं। 15 नवंबर 2023 सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के दौरान एक अजीब घटना हुई।

लंच के बाद जब दोनों नेता उठकर जाने लगे, तो जिनपिंग के एक करीबी अधिकारी ने उनके बॉडीगार्ड को इशारा किया। बॉडीगार्ड ने अपनी जेब से एक छोटी बोतल निकाली

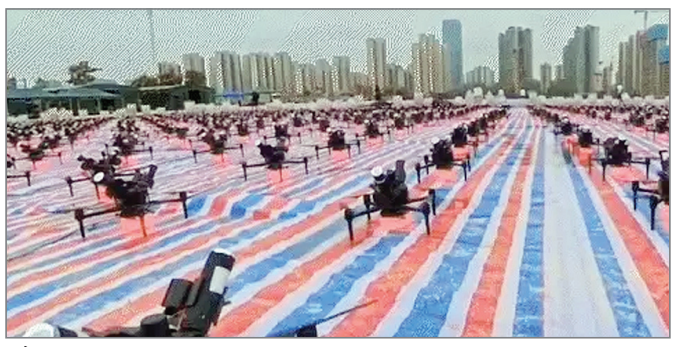

और तेजी से उन सभी चीजों पर स्प्रे कर दिया जिन्हें जिनपिंग ने छुआ था। यहां तक कि उनकी प्लेट में बचे केक पर भी।

तकनीक की रफ्तार से शक और डर बढ़ा

इस घटना से एक बात साफ हो गई कि नई तकनीक की रफ्तार ने दोनों देशों के बीच शक और डर को और बढ़ा दिया है। आज हम हथियारों के शायद सबसे तेज विकास वाले दौर में जी रहे हैं। डिफेंस एक्सपर्ट के मुताबिक अब ऐसी ड्रोन मशीनों पर काम हो रहा है जो बिना किसी ह्यूमन कंट्रोल के काम करे और भीड़ में भी दुश्मन को ढूंढकर खत्म कर दे। ऐसे ताकतवर साइबर हथियार पर काम हो रहा है जो किसी देश की सेना, बिजली व्यवस्था और पूरे ग्रिड को ठप कर सकता है। इसी कड़ी में एआई से डिजाइन किए गए ऐसे जैविक हथियार (बायो वेपन) भी बन रहे हैं जो सिर्फ खास जेनेटिक पहचान वाले लोगों को ही मार सकें। चीनी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने समुद्र में इस्तेमाल होने वाले कई तरह के ड्रोन तैनात किए हैं, जिनमें सतह पर चलने वाले जहाज, खुद से चलने वाली पनडुब्बियां और रिसर्च वाले ड्रोन शामिल हैं।

भविष्य की जंग कुछ ऐसी दिखेगी

कुछ हथियार अभी कल्पना जैसे लगते हैं, लेकिन कई ऐसे हैं जिन पर अमेरिका, चीन, रूस और दूसरे देश पहले से काम कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सिंथेटिक बायोलॉजी और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीक युद्ध का तरीका बदल देंगी। अमेरिका अभी भी कुछ क्षेत्रों में खासतौर पर एआई में आगे है। इसकी वजह ये है कि बड़ी टेक कंपनियां इसमें बहुत ज्यादा पैसा लगा रही हैं। लेकिन चीन और रूस भी इसमें पीछे नहीं हैं। वे भी इसमें सरकारी स्तर पर बहुत ज्यादा निवेश कर रहे हैं। उनकी सेनाओं में नई तकनीक शामिल हो रही हैं। इसका मतलब यह है कि 21वीं सदी की हथियार होड़ बहुत तेज चल रही है। अमेरिका के लिए बड़ी चुनौती यह है कि वह इस रेस में कैसे बना रहे। इसके लिए सरकार, सेना, यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कंपनियों को मिलकर काम करना होगा।

● लोकसभा में चुनाव सुधार पर बोले अमित शाह

भाजपा के लोग चर्चा से नहीं भागते

● विपक्ष एसआईआर पर झूठ फैला रहा, देश की जनता को गुमराह करने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधार और एसआईआर पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- हम भाजपा के लोग चर्चा से नहीं भागते। जब विपक्ष ने कहा चुनाव सुधार पर चर्चा चाहते हैं। हम तुरंत माने और आज चर्चा हो रही है। आगे कहा कि एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष लगातार झूठ फैला रहा। देश की जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही हैं।

चले थे हिस्टोरियन बनने, बन गए डिस्टोरियन:जयराम रमेश- राज्यसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा जारी है। कांग्रेस की ओर से जयराम रमेश ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि हमने गृह मंत्री और अन्य वक्ताओं को सुना। चले थे हिस्टोरियन बनने, बन गए डिस्टोरियन। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल इन सभी लोगों पर आप तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हजारों कपल के प्राइवेट वीडियो बने

● टोल मैनेजर का कबूलनामा; अब तक 4 कर्मचारियों को हटाया

सुलतानपुर (एजेंसी)। यूपी के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कार में कपल के रोमांस का सीसीटीवी से वीडियो बनाने का मामला सामने आया था। इसमें 'एंटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' (एटीएमएस) के पूर्व मैनेजर आशुतोष सरकार को गिरफ्तार किया गया था। उसने पुलिस को अलग ही कहानी बताई।

उसने बताया- ढाई साल में इस तरह के हजारों मामले (वीडियो सीसीटीवी में रिकॉर्ड) सामने आए, लेकिन उसने एक भी वीडियो वायरल नहीं किया। जो वीडियो वायरल हुआ, उसे टोल पर काम करने वाले एक पूर्व कर्मचारी ने किसी ड्राइवर को दिया था।

इधर, एंटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का काम देखने वाली ठेका कंपनी ने आशुतोष सरकार के अलावा सिस्टम टेक्नीशियन आशुतोष तिवारी, ट्रैफिक मैनेजर शशांक शेखर और सिस्टम

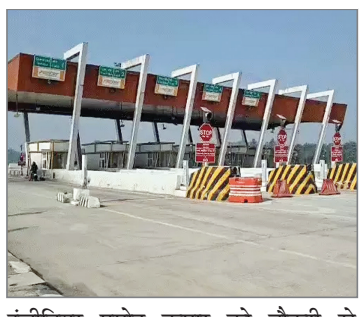

इंजीनियर प्रमोद कुमार को नौकरी से निकाल दिया है।

चारों के खिलाफ एफआईआर करने के लिए पुलिस को लेटर भी लिखा है। मंगलवार रात आईजी अयोध्या, एसपी सुल्तानपुर और यूपीडा के अफसर मौके पर पहुंचे और टोल कर्मचारियों से पूछताछ की। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 93 किमी के पास कार में रोमांस करते नवविवाहित दंपती का वीडियो सीसीटीवी से रिकॉर्ड किया गया था।

जिला स्वास्थ्य समिति व जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

साहिबगंज। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं–मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना, मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुसंरक्षण योजना तथा आयुष्मान भारत योजना–की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई दिशा-निर्देश दिए जिनमे उधवा सीएचसी को नए भवन में अविलंब शिफ्ट करने तथा नए एमओआईसी का प्रभार सौंपने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। सदर अस्पताल में ओपीडी को और अधिक सुचारू बनाने के साथ-साथ उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण उपयोग पर बल दिया गया। फिजियोथैरेपी वार्ड को एक सप्ताह के भीतर संचालित करने का निर्देश दिया गया। एसएनसीयू में बेड की संख्या बढ़ाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत सभी अस्पताल स्वच्छता, रोगी-सुविधा, बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करें। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

एमपी में पुलिस वैन-कंटेनर की भिड़ंत, 4 जवानों की मौत

● गाड़ी काटकर शव निकाले, नक्सल ऑपरेशन के लिए गए थे; पुलिस का डॉग सुरक्षित

सागर (एजेंसी)। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर बांदरी के पास बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे एयरलिफ्ट कर दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल ले जाया गया। वहीं, टीम में शामिल डॉग सुरक्षित है।

जानकारी के अनुसार मुरैना जिले का बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बालाघाट में ड्यूटी पर तैनात था। पुलिसकर्मी नक्सल विरोधी अभियान में शामिल हुए थे। वहां से वे बीडी-डीएस वाहन में सवार होकर वापस मुरैना लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर बांदरी के पास झिंझनी घाटी पर सामने से आ रहे कंटेनर से पुलिस वाहन की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डॉग मास्टर समेत चार जवानों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, एनएच 44 पर अंडरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है।

तिरुपति मंदिर में लड्डू के बाद दुपट्टा में घोटाला

सिल्क बताकर 350 के पॉलिएस्टर दुपट्टे 1300 में बेचे; 10 साल में 54 करोड़ का स्कैम

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित तिरुमला के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में लड्डू के बाद प्रसाद के तौर पर दिए जाने वाले दुपट्टे (अंगवस्त्रम) की बिक्री में घोटाला सामने आया है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एक कॉन्ट्रैक्टर ने शुद्ध मुलबेरी सिल्क दुपट्टों की जगह लगातार 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए।

बिलिंग सिल्क दुपट्टों के नाम पर ही की गई। एक पॉलिएस्टर दुपट्टे की वास्तविक कीमत लगभग रू. 350 थी। लेकिन, तिरुमला मंदिर का

प्रबंधन करने वाले तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् को वही 350 का दुपट्टा 1,300 में बेचा गया।

ये घोटाला साल 2015 से 2025, यानी पिछले 10 साल से चल रहा था। इस दौरान टीटीडी ने कॉन्ट्रैक्टर को लगभग 54 करोड़ भुगतान किए।

● **दो लैब में दुपट्टों का साइंटिफिक टेस्ट कराया गया था-** नायडू के अनुसार, मंदिर में दान देने वाले बड़े दानकर्ता को प्रसाद के तौर पर सिल्क दुपट्टा ओढ़ाया जाता है। इसके अलावा वेदाशीर्वचनम् जैसे पूजा-अनुष्ठानों में सिल्क दुपट्टे इस्तेमाल होते हैं। उनमें भी सस्ता पॉलिएस्टर इस्तेमाल किया गया। नायडू ने कहा कि दुपट्टों के सैंपल साइंटिफिक टेस्ट के लिए दो लैब्स में भेजे गए थे, जिनमें से एक लैब केंद्रीय रेशम बोर्ड के तहत है। दोनों रिपोर्टों में दुपट्टे का कपड़ा पॉलिएस्टर निकला।

68 लाख किलो मिलावटी घी से 250 करोड़ का घोटाला हुआ

सितंबर 2024 में तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में मिलावटी घी का मामला सामने आया था। जांच में पता चला कि 2019 से 2024 के बीच लड्डू बनाने में लगभग 68 लाख किलो मिलावटी घी इस्तेमाल हुआ। घी सप्लाई करने वाली कंपनी ने मिलावटी घी से लगभग 250 करोड़ कमाए थे। सीबीआई और आंध्र प्रदेश फूड सेफ्टी विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी कंपनी के डेयरी वाले सभी डॉक्यूमेंट्स फर्जी हैं। इस कंपनी ने कभी भी न दूध खरीदा और न कभी मक्खन खरीदा फिर भी ये घी-मक्खन सप्लाई करती रही।

भारत में अमेरिकी सोयाबीन बेचने की इजाजत मिल सकती है

● यूएस अफसर बोले- पहली बार इतना अच्छा ऑफर मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका डील पर चल रही बातचीत के दौरान ही एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अमेरिकी ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर का कहना है कि भारत ने एग्रीकल्चर सेक्टर को लेकर अब तक का 'सबसे अच्छा ऑफर' दिया है।

आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी किसानों को भारत के बाजारों तक ज्यादा पहुंच मिले, इसके लिए बातचीत की जा रही है। खासकर ज्वार और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए घरेलू मार्केट खोलने पर चर्चा हो रही है। ग्रीयर ने बताया कि अमेरिकी बातचीत टीम इस समय नई दिल्ली में है और कृषि से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर रही है। भारत कुछ फसलों के मामले में सावधानी बरत रहा है, लेकिन इस बार भारत ने अपनी ओर से बाजार खोलने में दिलचस्पी दिखाई है।

स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

ओम प्रकाश तांती , साहिबगंज ब्यूरो/ साहिबगंज ।साहिबगंज राजस्थान मध्य विद्यालय में साहित्य की दुनिया द्वारा बुधवार को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के लिए स्थानीय स्कूली छात्रों छात्रों के बीच स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय पोखरिया जवाहर नवोदय विद्यालय पीएम श्री नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय जमुना दास चौधरी बालिका उच्च विद्यालय शिबू सोरेन जनजातीय महाविद्यालय एनआर सेंटर राजस्थान इंटर विद्यालय राजस्थान मध्य विद्यालय ईस्टर्न रेलवे उच्च विद्यालय तथा एनआर सेंटर से 65 छात्र-छात्राएं स्वरचित काव्य का पाठ किया। इन प्रतिभागियों का चयन के लिए निर्णायक मंडल के रूप में अनिरुद्ध प्रभास, सुधीर कुमार श्रीवास्तव , आनंद मोदी रहे। जबकि इस अवसर पर साहित्य की दुनिया मंच के अध्यक्ष के अलावा आयोजन समिति के सदस्य तथा विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं तथा छात्र-छात्राएं मौजूद थे। मीना कुमारी, रेखा कुमारी ,मनोहर शर्मा ,जवाहर नवोदय विद्यालय की राखी कुमारी ,पीतांबर प्रसाद यादव, संजय कुमार रजक सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बरजो मुखिया पर हमले को लेकर बगोदर मुखिया संघ की आपात बैठक

बगोदर , एजेंसी। बरजो मुखिया सुभाष यादव पर हुए हमले और धनवार थाना प्रभारी के कथित गलत व्यवहार के खिलाफ सोमवार को बगोदर मुखिया संघ की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में बगोदर प्रखंड के सभी मुखिया बड़ी संख्या में शामिल हुए और एकजुट होकर जिला प्रशासन से निष्पक्ष व पारदर्शी कार्रवाई की मांग की। मुखिया संघ ने कहा कि हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है और आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। संघ ने प्रशासन से मांग की कि हमलावरों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें सख्त सजा दिलाई जाए। मुखिया संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं होती है, तो संघ जिला से लेकर राज्य स्तर तक व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

गुमला में कुएं में डूबकर महिला की मौत, पानी भरने के दौरान हुआ हादसा, कुएं के पास बाल्टी देख शव की तलाश की

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के चट्टी पतराटोली गांव में कुएं में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। यह घटना पानी भरने के दौरान हुई। पुलिस ने मंगलवार को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला भेज दिया है। मृतका की पहचान 45 वर्षीय फूलो देवी, पत्नी राजू उरांव के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 12 बजे फूलो देवी घर के काम के लिए कुएं से पानी लेने गई थीं ।जब वह कुछ देर तक नहीं लौटीं और घर में कोई नहीं था, तब परिजनों ने कुएं के पास बाल्टी देखी। तलाश करने पर उनका शव कुएं के अंदर मिला। आनन-फानन में उन्हें कुएं से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका अपने पीछे दो छोटे बच्चे छोड़ गई हैं।

महेंद्र सिंह के शहादत दिवस की तैयारी पर ग्राम सभा

बगोदर , एजेंसी। बगोदर के ग्रामीण क्षेत्रों में शहीद महेंद्र सिंह शहादत दिवस की तैयारियों के बीच ग्राम सभाओं और धान संग्रह अभियान को तेज किया जा रहा है। मंगलवार को बनपुरा में ग्राम सभा आयोजित की गई, वहीं मुंडरो के बखरीडीह और अडवारा के तुकतुको गांव में धान संग्रह अभियान चलाया गया। इस दौरान बगोदर उप प्रमुख हरेंद्र कुमार सिंह ने नाइजर में अपहृत बगोदर के पांच प्रवासी मजदूरों के मुद्दे को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि छह माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें मजदूरों की रिहाई के लिए ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अपहृत मजदूरों में मुंडरो पंचायत का एक और दोनदलों पंचायत के चार मजदूर शामिल हैं, जिनके परिवार पिछले छह महीनों से भय और अनिश्चितता में जीवन यापन कर रहे हैं ।उप प्रमुख ने घोषणा की कि 16 जनवरी को आयोजित शहीद महेंद्र सिंह शहादत दिवस पर प्रवासी मजदूरों की रिहाई का मुद्दा प्रमुख रहेगा और ग्रामीणों से कार्यक्रम स्थल बगोदर बस स्टैंड में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की। कार्यक्रम में गांगों दास, बासुदेव विद्यार्थी, लालमोहन महतो, जितेंद्र महतो, राजू महतो, हेमलाल महतो, तेजनारायण पासवान, महावीर पासवान, भुनेश्वर महतो, रामदेव महतो, राजकुमार दास सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

मलेरिया व फाइलेरिया की रोकथाम पर दी जानकारी

गिरिडीह , एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमुआ के हॉल में मंगलवार को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत ग्रामीण स्वास्थ्य प्रैक्टिशनरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी जमुआ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुलदीप तिरकी ने की। प्रशिक्षण के दौरान जिला वेक्टर जनित रोग कंसल्टेंट इंद्रदेव और एमटीएस संजीव कुमार ने प्रतिभागियों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया,फाइलेरिया सहित विभिन्न वेक्टर जनित रोगों की पहचान, कारण, लक्षण, रोकथाम तथा नियंत्रण संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में इन रोगों के प्रकोप को देखते हुए समय पर पहचान और त्वरित उपचार के महत्व पर भी जोर दिया। इसी क्रम में पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि राघवेंद्र कुमार ने फाइलेरिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना, आरएचपी को सशक्त करना तथा वेक्टर जनित रोगों से बचाव के लिए समुदाय में बेहतर जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में सीएचसी जमुआ के एमटीएस अभय कुमार, विकास कुमार, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मी, बीपीएम किरण सनमानी तथा सभी आरएचपी सदस्य उपस्थित रहे।

रांची में 2 गुटों के बीच वर्चस्व की खूनी जंग, किशोरी के कपड़े फाड़ने का प्रयास,

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को डोरंडा और सदर थाना क्षेत्र में हुई हिंसक झड़पों ने पुलिस प्रशासन को चुनौती दी है। डोरंडा इलाके में जहां दो गुटों के बीच घातक हथियारों से बवाल हुआ वहीं बूटी मोड़ पर एक युवक को जान से मारने की नीयत से पीटा गया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है।

डोरंडा इलाके में वर्चस्व को लेकर हुई हिंसक झड़प में दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पहले पक्ष की ओर से रिसालत प्रवीण ने पुलिस को बताया कि आरोपितों के समूह ने उनकी दुकान परहमला कर दिया। प्रवीण का आरोप है कि मो अली और मो असरफ के पास भुजाली (तलवार) थी, जबकि मो आरिफ के हाथ में पिस्टल थी। इस हमले में उनके पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं मोबाइल फोन, नकदी और सोने की चेन भी लूट ली गई। प्रवीण ने आरोपितों पर सख्त कार्रवाई और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

वहीं दूसरे पक्ष की ओर से मो इबरार ने अपने बयान में कहा है कि वे अपने भाई रुशतम के साथ दुकान जा रहे थे, तभी झंडा चौक पर सज्जू, राजा, अमन, अली, सैफी और 3-4 अन्य लोगों ने उन्हें धमकाते हुए उन पर हमला कर दिया। इबरार ने बेहद गंभीर आरोप लगाया है कि हमले के दौरान उनके परिवार को निशाना बनाया गया और उनकी बहन को कथित तौर पर निर्वस्त्र करने की नीयत से हाथ पकड़ा गया, जिससे वह घायल हो गईं।

इबरार ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावर हथियारों से लैस रहते हैं और इलाके में दबदबा बनाने के लिए रंगदारी वसूलते हैं और जमीनों पर अवैध कब्जा करते हैं। इबरार के भाई को भी तुलसी चौक पर दूसरे पक्ष ने घेरकर पीटा और वीडियो बनाया।

डोरंडा के अलावा सदर थाना क्षेत्र में बूटी मोड़ चौक के पास भी एक गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित गौरव कुमार ने थाना प्रभारी को बताया कि वह बूटी मोड़ स्थित शराब दुकान के पास थे, जब शंकर कुमार, अनिल रजक, लालु सिंह, राजा कुमार, मृत्युजंय और एक अज्ञात फौजी ने उन पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया।

इस हमले में गौरव गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों ही मामलों के आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए टीम का गठन किया गया है।

अदालत में हाजिर हुईं डीजीपी; मांगी माफी, कोर्ट ने कहा-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

रांची, एजेंसी। बहुचर्चित फर्जी नक्सल सरेंडर मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेश पर डीजीपी तदाशा मिश्रा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुईं। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा कि वर्ष 2021 में आदेश जारी होने के बावजूद अब तक न तो पुलिस और न ही राज्य सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई की।

अदालत ने कहा कि इतने संवेदनशील मामले को हल्के में लिया जा रहा है और निचले अधिकारी से शपथ पत्र दाखिल कराना उचित नहीं है। डीजीपी ने कोर्ट से माफी मांगते हुए कहा कि गलती हुई है और समय देकर जल्द विस्तृत जवाब दायर किया जाएगा। अदालत ने अगली सुनवाई 15 दिसंबर निर्धारित की है और चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में दिग्दर्शन इंस्टीट्यूट के माध्यम से 514 छात्रों को नक्सली बताकर कथित तौर पर फर्जी तरीके से सरेंडर कराया गया था।

आरएफओ-एसीएफ भर्ती: कोर्ट ने मई 2026 तक रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया

हाईकोर्ट ने जेपीएससी को निर्देश दिया है कि असिस्टेंट कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट (एसीएफ) और रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर (आरएफओ) भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम मई 2026 के अंतिम सप्ताह तक जारी किया जाए। कोर्ट ने जेपीएससी द्वारा दायर प्रति-शपथ पत्र स्वीकार करते हुए बताया कि एसीएफ की प्रारंभिक परीक्षा 13 जुलाई 2025 और आरएफओ की परीक्षा 29 जून 2025 को हुई थी। मॉडल आंसर कई चरणों में संशोधित किए गए और अंतिम संशोधित उत्तर 25 नवंबर 2025 को जारी किए गए। एसीएफ का मेंस 6-9 फरवरी 2026 और आरएफओ का मेंस 22-24 जनवरी 2026 को आयोजित होगा।

आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर ब्लैकमेलिंग, आरोपी बिहार से गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने साइबर अपराध और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में मुख्य आरोपी मो. शमसेर अली उर्फ शमसेर आलम (39) को बिहार के औरंगाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर 5 लाख रुपए की उगाही और मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप है।

2023 में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया : पीड़िता ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि आरोपी ने लॉकडाउन के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उससे संपर्क साधा था। उसने शादी का झांसा देकर पीड़िता का विश्वास जीता। वर्ष 2023 में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

तस्वीरों को हटाने के बदले 5 लाख रुपए मांगा : शिकायत के अनुसार, शादी से इनकार करने के बाद आरोपी ने पीड़िता की आपत्तिजनक एडिटेड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दीं। इन तस्वीरों को हटाने के बदले 5 लाख रुपए की मांग की गई। रकम न देने पर लगातार मिल रही धमकियों के कारण पीड़िता मानसिक प्रताड़ना का शिकार हुई।

एक स्मार्टफोन और पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें बरामद : इस घटना के संबंध में जगन्नाथपुर थाना में 4 दिसंबर 2025 को कांड संख्या 73/25 दर्ज किया गया। इसमें आईटी एक्ट 2000 सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ जगन्नाथपुर के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। तकनीकी सेल की मदद से आरोपी को 08 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से एक स्मार्टफोन और पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें बरामद हुईं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है।

सिकिदिरी हाइडेल घोटाला: बिजली विभाग को 134 करोड़ रुपये की चपत, 6 अफसरों के खिलाफ सौंपी गई जांच रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। सिकिदरी हाइडेल प्लांट की मरम्मत संबंधी अनियमितता के 12 वर्ष से भी अधिक पुराने मामले में अधिकारियों की अनदेखी के कारण विभाग को 134 करोड़ की चपत लग रही है।

कॉमर्शियल कोर्ट के इस निर्देश के बाद बिजली निगम ने अनदेखी के आरोपित अधिकारियों को चिन्हित करने के लिए जांच कमेटी गठित की थी, जिसमें जीएम (एचआर) सुनील दत्त खाखा, ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव सौरभ सिन्हा और जीएम (वित्त) डीके महापात्रा शामिल थे।

कमेटी ने अब प्रबंधन को रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें छह अफसरों को दोषी पाया गया है। जांच कमेटी के अनुसार जिन अधिकारियों की अनदेखी के कारण ऐसी नौबत आई, उसमें जीएम (एचआर-उत्पादन) अमर नायक, जीएम (तकनीकी) कुमुद रंजन सिन्हा, तत्कालीन प्रोजेक्ट मैनजर प्रदीप शर्मा, कार्यपालक अभियंता संजय सिंह समेत दो विधि अधिकारी सम्मिलित है। उधर विभाग ने 134 करोड़ रुपये देने के आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

सिकिदरी हाइडेल की मरम्मत के लिए वर्ष 2012-2013 में बीएचईएल को किए गए कार्य आवंटन को लेकर विवाद हुआ था। इसकी सीबीआइ जांच भी चल रही है, जिसमें बिजली बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष एसएन वर्मा समेत सात लोगों के विरुद्ध आरोप है। इस मामले में बीएचईएल ने जिस निजी कंपनी नार्दन पावर को कार्य आवंटित किया था, उसने पैसे के भुगतान के लिए मेरठ के एमएसएमई कोर्ट में अपील की थी।

कोर्ट ने बीएचईएल को निर्देश दिया तो कंपनी ने रांची कोर्ट में अपील की। कोर्ट ने 20.87 करोड़ के काम के एवज में ब्याज सही पैसे चुकाने का निर्देश दिया, जो राशि 134 करोड़ रुपये हैं। बिजली निगम ने इस आदेश को चुनौती नहीं दी।

इस संबंध में कामर्शियल कोर्ट ने पक्ष रखने के लिए निर्देश जारी किया, जिसे ऊर्जा उत्पादन निगम के दो अधिकारियों ने लगभग नौ माह तक दबाए रखा ताकि लाभ पहुंचाया जा सके। कोर्ट में अधिकारियों ने पक्ष रखा होता तो ऐसी नौबत नहीं आती।

दरअसल कोर्ट में अधिकारियों ने यह पक्ष रखा ही नहीं कि हाइडेल की मरम्मत का सिर्फ शार्ट टर्म का काम ही संपन्न हुआ था, जिसकी राशि चार करोड़ रुपये थी। लांग टर्म का कार्य नहीं हुआ था, लेकिन अधिकारियों ने तमाम बिल का सत्यापन कर दिया, जिसका लाभ कंपनी को मिला।कोर्ट में पक्ष नहीं रखने के कारण एकतरफा निर्णय हो गया।

हटिया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ टीम की बड़ी कार्रवाई, 11.5 लाख का गांजा बरामद

रांची, एजेंसी। रांची रेल मंडल में मादक पदार्थों के तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. इसी कड़ी में आरपीएफ हटिया और फ्लाइंग टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है. आरपीएफ के द्वारा 11.5 लाख का गांजा पकड़ा गया है. साथ ही दो तस्करों को भी दबोचा गया है.

क्या है पूरा मामला : रांची रेल मंडल में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत आरपीएफ हटिया और फ्लाइंग टीम रांची ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है. आरपीएफ रांची के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर हटिया रेलवे स्टेशन पर संयुक्त जांच अभियान चलाया गया.

इसी दौरान शक के आधार पर ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह और फ्लाइंग टीम ने प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध अवस्था में बैठे दो व्यक्तियों की तलाशी ली. जांच के दौरान दोनों के बैगों से चार पैकेटों में बंद कुल 23 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत करीब 11.50 लाख आंकी गई है. आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में जब्त किए गए सभी पैकेटों की ष्ठष्ठ किट से जांच की गई, जिसमें गांजा की पुष्टि हुई. कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद मादक पदार्थ और आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी हटिया को सुपुर्द कर दिया गया.

कौन-कौन हुआ गिरफ्तार : मोहम्मद फिरोज, उम्र लगभग 32 वर्ष, पिता - मोहम्मद फारूक, निवासी- नरवल, पोस्ट- नरईपुर, थाना - पथखौली, जिला - पश्चिम चंपारण (बिहार)

राम बिलास चौधरी, उम्र लगभग 27 वर्ष, पिता- मदन चौधरी, निवासी- रुपहीटांड़, पोस्ट- बिनही, थाना- भीताहा, जिला- पश्चिम चंपारण (बिहार)

रेल पुलिस के द्वारा दी गई जानकारी में यह बताया गया है कि मोहम्मद फिरोज के पास से एक नीले रंग के पिट्ठू बैग और एक भूरे रंग की ट्रॉली बैग में गांजा पाया गया. वहीं, राम बिलास चौधरी के पास से एक हरे रंग के पिट्ठू बैग और एक ग्रे रंग के हैंड बैग में गांजा पाया गया. कुल 4 पैकेट गांजा (मैरिजुआना) मिला, जिनका कुल वजन 23 किलोग्राम पाया गया. डीडी किट से जांच करने पर यह गांजा (मैरिजुआना) पॉजिटिव पाया गया. दोनों व्यक्तियों से वैध परमिट या दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे प्रस्तुत करने में असफल रहे. पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने उक्त गांजा राउरकेला (ओडिशा) से एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदा था और धनबाद जाकर किसी अज्ञात व्यक्ति को देने जा रहे थे.

30 पीसीआर से मंदिरों की निगरानी की योजना बंद, 35 दिनों में 3 मंदिरों में चोरी

रांची, एजेंसी। राजधानी में अपराधियों के मन से पुलिस तो दूर, भगवान का भी डर खत्म हो गया है। पिछले 35 दिनों में ही 3 मंदिरों में चोरी हो चुकी है। पुलिस भी कुछ नहीं कर पा रही है। धार्मिक स्थलों पर चोरी रोकने के लिए बनाया गया मैकेनिज्म भी वरीय अधिकारियों की मॉनिटरिंग के अभाव में ध्वस्त हो गया है।

तत्कालीन सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने धार्मिक स्थलों पर चोरी रोकने के लिए लगभग 2 साल पहले एक मैकेनिज्म तैयार किया था। शहर को 4 जोन में बांटकर सभी 30 पीसीआर को अपने-अपने संबंधित इलाके में प्रत्येक रात धार्मिक स्थल के पास जाकर निगरानी करने की जिम्मेवारी दी गई थी। अहले सुबह 3 बजे के बाद विशेष तौर पर चेकिंग करना अनिवार्य किया गया था। चेकिंग का फोटो भी एसपी द्वारा बनाए गए ग्रुप में शेयर करना होता था। इसकी शुरुआत भी हुई। धार्मिक स्थलों पर होने वाली चोरी की घटनाओं पर लगाम भी लगी थी। हालांकि एसपी का तबादला होते ही यह व्यवस्था खत्म हो गई। ऐसे में अपराधी एक बार फिर से सक्रिए हो गया और चोरी की घटनाएं बढ़ गईं।

22 नवंबर : खेलगांव थाना क्षेत्र की सैनिक कॉलोनी में वैष्णो देवी मंदिर से दो अपराधियों ने आभूषण की चोरी कर ली। स्थानीय लोगों के प्रयास से दोनों चोर को पकड़ लिया गया। चोर के पास से मां वैष्णो देवी की मूर्ति से चुराए गए जेवरात बरामद हुए।

8 नवंबर : बरियातू थाना क्षेत्र के जोड़ा तालाब रोड स्थित बिड़ला हनुमान मंदिर का ताला तोड़कर अपराधियों ने दान पेटी से पैसे चुरा लिए। कमेटी के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, पर अबतक अपराधियों का सुराग नहीं मिला है।

7 दिसंबर : नगड़ी थाना क्षेत्र के दलादली चौक के पास रिंग रोड के किनारे चोर दुर्गा मंदिर में घुस कर सोने का मंगटीका, लॉकेट और मुकुट समेत सभी आभूषण ले गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सीआरपीएफ जवान गोपालजी सिंह का परेड के दौरान निधन

रांची, एजेंसी। चाईबासा में तैनात सीआरपीएफ 197 बटालियन के जवान गोपालजी सिंह का मंगलवार सुबह परेड के दौरान अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। बताया जा रहा है कि सुबह नियमित अभ्यास के लिए सभी जवान परेड ग्राउंड में एकत्र हुए थे। इसी दौरान गोपालजी सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे वहीं गिर पड़े। साथी जवानों ने तुरंत प्राथमिक उपचार देने का प्रयास किया और उन्हें आनन-फानन में चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गोपालजी सिंह हाल ही में छुट्टी मनाकर अपने घर से लौटे थे और सोमवार को ही उन्होंने अपनी ड्यूटी दोबारा जॉइन की थी। छुट्टी से लौटने के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ दिख रहे थे, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। उनकी मृत्यु की खबर जैसे ही कैंप में पहुंची, जवानों के बीच शोक की गहरी लहर दौड़ गई।

साथी जवानों ने बताया कि गोपालजी सिंह बेहद मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ थे। उनके साथ काम करने वाले अधिकारी भी उनके व्यवहार और जिम्मेदारी निभाने की शैली की खूब प्रशंसा करते थे। सीआरपीएफ अधिकारियों ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और जवान के परिवार को हर संभव सहायता और सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके पार्थिव शरीर को गोरखपुर स्थित पैतृक गांव भेजा जाएगा, जहां पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जमशेदपुर में गैराज में खड़ी कार-ऑटो में लगी आग, एग्रीको ट्रैफिक सिग्नल के पास हुई घटना, शॉर्ट सर्किट की आशंका

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में देर शाम एग्रीको ट्रैफिक सिग्नल के पास स्थित एक गैराज में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही कार से उठती लपटें दिखीं, कुछ ही सेकेंड में आग ने तेज रूप ले लिया और पास खड़ी ऑटो भी उसकी चपेट में आ गई। दोनों वाहनों में आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा गैराज धुएं और लपटों से भर गया। दुकानदार और आसपास मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद एक के बाद एक कई फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह काबू में किया।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका: दमकल विभाग की शुरुआती जांच में अनुमान लगाया गया है कि गैराज के अंदर खड़ी कार में शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़की। आग तेज होने के कारण उसके बगल में खड़ी ऑटो भी इसकी जद में आ गई। दोनों वाहनों में लगी आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में कार और ऑटो पूरी तरह जलकर राख के ढेर में बदल गए।

गैराज के अंदर रखे उपकरण, टायर और छोटा-मोटा सामान भी नुकसान की चपेट में आ गया। आसपास के लोगों ने बताया कि आग की ऊंची लपटें सड़क तक पहुंच गई थीं, जिससे कुछ देर के लिए ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। लोग दूर से ही खड़े होकर घटनाक्रम देखते रहे, जबकि दमकल टीम आग बुझाने में जुटी रही। हालांकि, गनीमत रही कि इस पूरी घटना में किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ।

घटना की खबर मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और पूरी स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने गैराज संचालक, कर्मचारियों और आसपास के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि आग लगने के वास्तविक कारण का पता चल सके। थानेदार ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण माना जा रहा है, लेकिन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने गैराज के अंदर मौजूद वायरिंग, पावर सप्लाई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद आग लगने की वजह स्पष्ट हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

टीबी मुक्त अभियान पर सीएचओ का दिया प्रशिक्षण

गिरिडीह, एजेंसी। जिला स्वास्थ्य समिति ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का आयोजन मंगलवार को सदर अस्पताल के सभागार में किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर टीबी उन्मूलन प्रयासों को मजबूत बनाना और जिले के सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों को नवीन तकनीकों एवं अद्यतन दिशा-निर्देशों से प्रशिक्षित कर और अधिक सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि संदिग्ध टीबी मामलों की पहचान के लिए उन्नत तकनीक, आधुनिक स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल और समयबद्ध रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही टीबी उपचार, दवा सेवन के नियम, पोषण सहायता एवं रोगी रिकॉर्ड के सही रख-रखाव पर भी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

जामताड़ा में पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार, नई तकनीक से ठगी करते थे, पुलिस ने बरामद किए सिम-मोबाइल

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी लोगों को ठगने के लिए वॉट्सऐप लिंक और स्क्रीन शेयरिंग जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे थे। जिले की साइबर पुलिस अब अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से साइबर अपराध पर नकेल कसने की तैयारी में है। पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने इन गिरफ्तारियों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के पास एक जंगल में छापेमारी की। इस दौरान साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे पांच अपराधियों को रंगे हाथों दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के सद्दाम अंसारी, तस्लीम राजा, शब्बीर अंसारी और सलामत अंसारी शामिल हैं। वहीं, ताज-उल अंसारी नारायणपुर थाना क्षेत्र के बाकुडी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने इनके पास से 12 सिम कार्ड और 9 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि ये आरोपी पुराने तरीकों को छोड़कर नई तकनीक से ठगी कर रहे थे। वे व्हाट्सऐप पर लिंक भेजकर लोगों से ऐप इंस्टॉल करवाते थे और स्क्रीन शेयरिंग ऐप के जरिए गोपनीय जानकारी हासिल कर ठगी की घटनाओं को अंजाम देते थे। यह गिरोह झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के लोगों को निशाना बनाता था। सभी आरोपी हिंदी और बांग्ला भाषी हैं तथा असम व बंगाल के सिम कार्ड का उपयोग करते थे। पुलिस अब इन अपराधियों को सिम उपलब्ध कराने वाले गिरोह की भी तलाश कर रही है।

पिता ने बेटे को जंजीरों से बांधकर पीटा, मुखिया ने पीड़ित को पहुंचाया थाना, पिता ने शैतानी ताकतों का आरोप लगाया

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक पिता द्वारा अपने बेटे को जंजीरों से बांधकर पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित बच्चे मोहम्मद फैज ने बताया कि पिछली रात करीब डेढ़ बजे उसके पिता मोहम्मद मुख्तार अंसारी और बड़े भाइयों ने मिलकर उसे जंजीरों से बांध दिया। इसके बाद उसकी पिटाई की गई और उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। मंगलवार दोपहर लगभग 1 बजे फैज किसी तरह अपने घर से भाग निकला। वह कोडरमा थाना क्षेत्र के छतरबर गांव के मुखिया गुलाम मुस्तफा के पास पहुंचा और उन्हें पूरी घटना बताई। मुखिया गुलाम मुस्तफा ने तुरंत फैज को तिलैया थाना पहुंचाया और उसे थाना प्रभारी को सौंप दिया। गुलाम मुस्तफा ने थाना प्रभारी से मोहम्मद फैज के पिता मोहम्मद मुख्तार अंसारी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने मोहम्मद फैज के पिता को जंजीर के ताले की चाबी लेकर थाने बुलाया। थाने में मोहम्मद मुख्तार से चाबी लेकर मोहम्मद फैज के हाथों में बंधी जंजीर का ताला खोला गया। फैज को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मोहम्मद मुख्तार अंसारी को थाने में रोककर उनसे पूछताछ की जा रही है। इधर, मो. फैज के पिता ने इस घटना के बाबत बताया कि उस पर शैतानी ताकत हावी हो गई है, जिससे वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है। उन्होंने बताया कि उनके पांच पुत्र हैं, जिसमें फैज सबसे छोटा है। उन्होंने बताया कि वे आए दिन फैज की हरकतों से परेशान रहते हैं। वह किसी को भी मार बैठता है, किसी के भी सामान को नुकसान पहुंचा देता है। कई बार वह घर से भी भाग कर गया जी और कोलकाता जा चुका है। उन्होंने बताया कि बीते शाम भी वह एक टावर पर चढ़ गया था और कूदकर जान देने जा रहा था, जिसके बाद उसे किसी तरह से टावर से सुरक्षित उतारकर घर लाया गया। इस दौरान मो. फैज ने उनके बाएं हाथ में काफी जोर से दांतों से काट भी लिया, जिससे वे जख्मी हो गए और अंत में तंग आकर उसे जंजीरों से बांध दिया। वहीं, फैज का उसके पिता पर आरोप है कि वे उसे घर से बाहर खेलने कूदने पर रोक लगाते हैं। बाहर दोस्तों के साथ खेलने पर आए दिन उसके साथ मारपीट करते हैं।

झारखंड में अगले तीन दिनों तक 2 डिग्री गिरेगा तापमान, उत्तर-पश्चिमी हवाओं का प्रभाव

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में उत्तर-पश्चिमी हवाओं का प्रभाव बढ़ गया है। जिस कारण ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है और कनकनी ने आमजनों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया कि राज्य में अगले तीन दिनों तक यानी 10, 11 और 12 दिसंबर के दौरान तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

इसके बाद अगले दो दिनों यानी 13 और 14 दिसंबर को न्यूनतम तापमान में धीरे धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि 15 दिसंबर तक सुबह में कोहरा या धुंध का असर तो बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। वहीं, पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा।

सबसे अधिक अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकार्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची में अधिकतम 22.8 डिग्री जबकि न्यूनतम 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। मौसम विज्ञानी ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं का प्रभाव बढ़ गया है, जिससे उत्तर और उत्तर-पश्चिमी जिलों में ठिठुरन और तेज हो गई है।

राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में भी कनकनी बढ़ने लगी है। अहले सुबह और देर रात ठंड का असर बढ़ने लगा है और लगातार गिर रहे तापमान ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी हैं। बताया गया कि राज्य में ठंड में उतार चढ़ाव का दौर अगले एक सप्ताह तक चलता रहेगा।

हाई कोर्ट के आदेश पर बिहार-झारखंड का शुरू हुआ सीमांकन,

बैजनाथपुर दियारा पहुंचे अंचलाधिकारी

साहिबगंज, एजेंसी। बिहार से झारखंड को अलग हुए 25 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन आज तक दोनों राज्यों का सीमांकन नहीं हुआ है। इससे सबसे अधिक परेशानी सदर प्रखंड के किसानों को होती है। ऐसे में यहां के किसानों ने हाई कोर्ट में सीमांकन के लिए जनहित याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने उसपर सुनवाई करते हुए उपायुक्त हेमंत सती को सीमांकन कराने का आदेश दिया है।

इसके लिए डीसी के आदेश पर एक कमेटी का गठन किया गया जिसमें सीआई, तीन अमीन व सदर ब्लॉक के कर्मचारी शामिल हैं। आदेश मिलने के बाद सीओ बासुकीनाथ टुडू पूरी टीम के साथ बिहार के बैजनाथपुर दियारा पहुंचे जहां पहले से कटिहार के मनिहारी अंचल से कर्मी व अमीन पहुंचे हुए थे। पहले दिन अधिकारियों ने दोनों राज्य की सीमा का जायजा लिया। बुधवार से मापी शुरू होगी।

गौरतलब है कि तत्कालीन डीसी संदीप सिंह के कार्यकाल में हाई कोर्ट के आदेश पर सीमांकन शुरू हुआ था। कटिहार जिला से एसडीओ, अंचलाधिकारी सहित तमाम कर्मियों ने साहिबगंज पहुंचकर उपायुक्त के साथ सर्किट हाउस में बैठक की थी। दो चार दिन तक मापी होने के बाद मामला ठंडे बस्ता में चला गया।

बाहुबलियों ने किसानों की जमीन पर किया कब्जा : दर प्रखंड के रामपुर मौजा के बलुआ टोला व रामपुर दियारा में एक हजार से अधिक बीघा जमीन को दबंग प्रवृति के लोगों द्वारा जोता जा रहा है। यह सिलसिला पिछले 25 साल से अधिक समय से चलते आ रहा है। वहां के दर्जनों पीड़ित किसान मंगलवार को सदर ब्लॉक पहुंचे और अंचलाधिकारी व कर्मचारी को आवेदन देकर मापी कराने का अनुरोध किया।

किसान पिछले तीन साल से सदर ब्लॉक के चक्कर लगा रहे हैं। आज तक इनके आवेदन पर किसी ने सुनवाई तक नहीं की जबकि उक्त मौजा में किसान घर बनाकर रह रहे हैं। किसानों के पास उक्त जमीन का पेपर व मैप भी है। जब जब किसान खेती के सीजन में अपने खेत को जोतने के लिए पहुंचते है, बाहुबलियों द्वारा रोक दिया जाता है। जोर जबरदस्ती करने पर मारने की धमकी दी जाती है।

जिला प्रशासन का साथ नहीं मिलने से उक्त मौजा में 105 किसान डर से अपनी जमीन को जोत नहीं पाते हैं। मंगलवार को शिवनाथ सिंह, रघु मंडल, सुखाड़ी महतो, श्याम महतो, हरिवंश, बटोरन, शंभू सिंह, देवराज देवी, लाला सिंह, शांति देवी, भोला, खुशीलाल, शिवनाथ आदि किसान प्रखंड मुख्यालय पहुंचे थे।

केंदुआडीह गैस रिसाव पर पीएमओ गंभीर, कोयला मंत्रालय की उच्च स्तरीय टीम धनबाद पहुंची, स्थिति का लेगी जायजा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद की केंदुआडीह कोलियरी के राजपूत बस्ती में तीन दिसंबर हुए गैस उत्सर्जन की घटना में दो महिला की मौत के साथ बड़ी आबादी के प्रभावित होने के मामले को प्रधानमंत्री कार्यालय तक गंभीर है।

बुधवार सुबह कोयला मंत्रालय की उच्च स्तरीय टीम धनबाद पहुंची। इसमें कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा, कोल इंडिया के तकनीकी निदेशक अच्युत घटक, कार्यकारी निदेशक समन्वय आलोक ललित शामिल है।

वे यहां प्रभावित लोगों से सीधे संवाद कर स्थिति का जायजा लेंगे। साथ ही किए जा रहे कार्यों को लेकर भी समीक्षा करेंगे। टीम सीधे प्रभावित क्षेत्र गई। यहां पुराना जीएम बंगला, राजपूत बस्ती, कंट्रोल रूम, अस्पताल सहित कई क्षेत्रों का दौरा करेगी।

बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, सीएमपीडीआई एल के चयनित सीएमडी चौधरी शिव राज सिंह, निदेशक मानव संसाधन मुरली कृष्ण रमैया, तकनीकी निदेशक निलांद्री राय, संजय कुमार सिंह, सीएमडीआई के रीजनल डायरेक्टर एस कुमार आदि के साथ बैठक होगी। इसमें कई एक्सपर्ट को भी बुलाया गया है।

इधर कोयला मंत्री रेड्डी ने पूरे मामले को लेकर गृह मंत्रालय, झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी पत्र लिखा है। केंदुआडीह राजपूत बस्ती की स्थिति को लेकर चार चार मंत्रालय की टीम सक्रिय रूप से काम कर रही है। कोयला, श्रम व रोजगार मंत्रालय के साथ गृह मंत्रालय भी गंभीर हो गई है। झारखंड सरकार को लिखे गए पत्र में राजपूत बस्ती की पूरी स्थिति से अवगत कराया गया है।

बताया जाता है कि इसमें काफी खतरा के साथ पीपीएम की बढ़ रही स्थिति को लेकर भी जिक्र किया गया है।कार्बन मोनोआक्साइड रिसाव को लेकर आइआइटी आइएसएम, सिंफर, सीएमपीडीआइएल, डीजीएमएस, पीएमआरसी जैसी वैज्ञानिकों संस्थानों से अध्ययन करा रही है।

बीसीसीएल सीएमडी अग्रवाल ने कहा कि करीब तीन हजार आबादी प्रभावित है।

गोड्डा की जयंती मिस इंडियन ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित, जयपुर में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी, 21 दिसंबर को होगा फिनाले

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा की जयंती कुमारी 'फॉरएवर मिस इंडियन कॉन्टेस्ट 2025' के ग्रैंड फिनाले में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। राजस्थान के जयपुर में होने वाली इस प्रतियोगिता के टॉप 3 में महागामा निवासी जयंती ने जगह बनाई है। ग्रैंड फिनाले 21 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होगा, जबकि प्रतियोगिता 19 से 21 दिसंबर तक चलेगी। 28 वर्षीय जयंती ने बताया कि उन्हें बचपन से ही फैशन और ब्यूटीशियन में रुचि थी। हालांकि, परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने पहले सरकारी नौकरी प्राप्त करने का निर्णय लिया। कड़ी मेहनत के बाद, उन्होंने एम्स कल्याणी में नर्सिंग ऑफिसर का पद हासिल किया।

दोस्तों ने भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

सरकारी नौकरी मिलने के बाद जयंती ने अपने बचपन के सपने को पूरा करने की ठानी। उनके दोस्तों ने भी उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में, वह अपने पेशेवर करियर के साथ-साथ फैशन के अपने सपने को भी साकार कर रही हैं।

पिता की एक छोटी सी कपड़े की दुकान

जयंती के पिता नंदकिशोर साह ने बताया कि उनकी बेटी को बचपन से ही टीवी पर अभिनेत्रियों को देखकर सजने-संवरने का शौक था। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था। जयंती अपने घर में दो बहनों से छोटी हैं। उनके माता-पिता और एक भाई भी है, जो पढ़ाई कर रहा है। उनके पिता की एक छोटी सी कपड़े की दुकान है।

फॉरएवर मिस इंडियन कॉन्टेस्ट 2025' का आयोजन सीईओ राजेश अग्रवाल और डायरेक्टर जया चौहान द्वारा किया जाएगा। जयंती ने अपनी 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई नवोदय गोड्डा से की। इसके बाद, उन्होंने रांची रिम्स से बीएससी नर्सिंग का चार साल का कोर्स 2020 में पूरा किया। उसी वर्ष उन्हें एम्स कल्याणी, बंगाल में नौकरी मिली और उन्होंने जनवरी 2022 में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यभार संभाला। तब से वह एम्स कल्याणी में कार्यरत हैं।

झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र: भाजपा विधायकों ने सरकार को सात वचन की याद दिलाई, गीत गाकर किया विरोध

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को सदन का माहौल पूरी तरह से राजनीतिक तकरार और हंगामे से भरा रहा। विपक्षी भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार को उसके सात वचनों की याद दिलाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। भाजपा विधायक नीरा यादव ने हाथों में तख्ती लेकर फिल्मी गीत 'क्या हुआ तेरा वादा, भूल गए वो दिन...' गाकर सरकार पर तंज कसा। उनके इस अंदाज में अन्य भाजपा विधायक भी शामिल हुए और सरकार की वादाखिलाफी को जनता के सामने रखने की कोशिश की।

भाजपा विधायकों का आरोप है कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में आने से पहले सात प्रमुख वादे किए थे, जिनमें साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलिंडर, हर साल दस लाख युवाओं को रोजगार, तथा गरीबों को समय पर छात्रवृत्ति जैसे मुद्दे शामिल थे। लेकिन सरकार एक भी वचन पर खरी नहीं उतर सकी है।

उनका कहना है कि सरकार विकास योजनाओं की बजाय बालू और संसाधनों की बंदरबांट में व्यस्त है। छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन और मइया सम्मान योजना जैसी कई लाभकारी योजनाएं ठप पड़ी हैं, जिससे जनता निराश है। बीजेपी विधायकों ने कहा कि सात वचनों को पूरा होने तक वे सदन से सड़क तक आंदोलन जारी रखेंगे।

जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है ये सरकार

इधर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और वे सिर्फ बालू जैसे मुद्दों से जनता को भटका रहे हैं। भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार धनबाद कोलियरी क्षेत्र में हो रहे जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है।

भाजपा पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया

विधायक पूर्णिमा साहू ने भी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। वहीं, कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने बीजेपी पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया और कहा कि खजाना खाली करने का काम 2014-2019 में भाजपा सरकार ने ही किया था। कुल मिलाकर, सदन का वातावरण पूरे दिन हंगामेदार बना रहा।

झारखंड में 2026 का छुट्टी कैलेंडर जारी, सोहराय पर दो दिन की छुट्टी के अलावा जानें क्या है नया

रांची, एजेंसी। नए साल की शुरुआत में ही झारखंड सरकार ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। राज्य कैबिनेट की सोमवार को हुई बैठक में वर्ष 2026 के लिए सरकारी अवकाशों का आधिकारिक कैलेंडर मंजूर कर लिया गया।कुल 34 दिनों की छुट्टियों की यह सूची न केवल राष्ट्रीय त्योहारों को सम्मान देती है, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूती से जोड़ती है।

खास बात यह है कि आदिवासी समुदाय के प्रमुख पर्व सोहराय पर इस बार दो दिनों की लगातार छुट्टी घोषित की गई है, जो कर्मचारियों को उत्सव की धूम में डूबने का भरपूर मौका देगी।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये अवकाश राष्ट्रीय अवकाश अधिनियम (एनआईए एक्ट) के तहत 21 दिनों के साथ-साथ कार्यपालिका आदेशों के जरिए 13 अतिरिक्त दिनों की व्यवस्था के अंतर्गत होंगे।

कुल मिलाकर 34 छुट्टियों का यह पैकेज सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में लागू होगा। इससे न केवल कर्मचारियों को आराम मिलेगा, बल्कि सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा मिलेगा।

झारखंड की समृद्ध आदिवासी विरासत को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट ने सोहराय पर्व को विशेष महत्व दिया है। 12 और 13 जनवरी को सोहराय पर दो दिनों की छुट्टी घोषित की गई है, जिसमें पहला दिन सामान्य सोहराय और दूसरा दिन खुंटाव क्षेत्र के लिए विशेष रूप से आरक्षित है। सोहराय, जो फसल कटाई के उत्सव के रूप में जाना जाता है, आदिवासी समुदायों के लिए खुशी और समृद्धि का प्रतीक है।

इस निर्णय से ग्रामीण इलाकों में रहने वाले सरकारी कर्मचारी अपने परिवार के साथ पूरे जोश के साथ भाग ले सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी छुट्टियां स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय अवकाश अधिनियम के दायरे में आने वाले ये 21 अवकाश देश की विविधता को दर्शाते हैं। इनमें गणतंत्र दिवस से लेकर क्रिसमस तक सभी प्रमुख पर्व शामिल हैं। नीचे दी गई तालिका में इनकी पूरी सूची दी गई है। ये अवकाश सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य होंगे, जिससे कर्मचारी राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बंधे रहेंगे।

कार्यपालिका के आदेशों से मिलने वाली 13 छुट्टियां झारखंड की स्थानीय परंपराओं पर केंद्रित हैं। इनमें मकर संक्रांति से लेकर भाई दूज तक विभिन्न पर्व शामिल हैं।

बोकारो में हाइवा की चपेट में आए भाकपा नेता, मौत एस पॉन्ड परिसर में हुआ हादसा, लोगों का हंगामा

बोकारो, एजेंसी। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के डीवीसी पॉन्ड परिसर में मंगलवार सुबह एक हाइवा की चपेट में आने से भाकपा नेता और पूर्व पंचायत प्रतिनिधि मनीरूद्दीन अंसारी की मृत्यु हो गई। वे बाजार टांड़ नूरीनगर के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, मनीरूद्दीन अंसारी रोज की तरह एस पॉन्ड से जुड़े कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान कांटाघर के पास से गुजर रहे एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद मनीरूद्दीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल डीवीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो के बीजीएच रेफर किया गया। हालांकि, बोकारो ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

प्रदर्शन करते हुए कई हाइवा वाहनों के शीशे तोड़ दिए : उनकी मृत्यु की खबर फैलते ही इलाके में तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में लोग एस पॉन्ड के पास जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए कई हाइवा वाहनों के शीशे तोड़ दिए। घटना की सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल पुलिस सक्रिय हो गई। गांधी नगर, कथार और पेक नारायणपुर थाना क्षेत्र के प्रभारी पुलिस अधिकारियों सहित पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में तेज रफ्तार हाइवा पर नियंत्रण लगाने और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

विधानसभा में राजभवन नामकरण का मामलाा, रांची राजभवन को बिरसा भवन और दुमका को सिद्धो कान्हू भवन किया जाए

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड भवन दिल्ली में ठहरने का मामला उठाया। जहां उन्होंने बताया कि मंत्रीमंडल सचिवालय निगरानी विभाग के एक आदेश में कहा गया है कि दिल्ली के झारखंड भवन में उन्हीं लोगों को कमरा मिलेगा जो माननीय के सगे संबंधी होंगे।

उन्होंने इस आदेश को लेकर आपत्ति दर्ज करने को कहा। साथ ही आदेश को वापस लेने की भी बात कही। बाबूलाल मरांडी ने इस आदेश को हास्यास्पद भी कहा। इस पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इस पर विचार सरकार करेगी। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दिल्ली में ऊर्जा विभाग का गेस्ट हाउस है। जिस पर पांच लाख का खर्च होता है। पुराना झारखंड भवन भी है। इसकी जानकारी भी सरकार ले।

बिरसा मुंडा के नाम पर हो रांची राजभवन : इसके बाद सदन में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में कहा राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। परंतु संविधान के अनुच्छेद 154 के अंतर्गत राज्य कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित है। इस तरह राज्यपाल का पद राज्य का पद होता है। राज्यपाल के कार्यालय से राज्य का कार्य संपादित किया जाता है।

राजभवन राज्य की संपत्ति होती है। इस पर राज्य का अधिकार होता है। ऐसे में इसके नामांकन का अधिकार राज्य सरकार का होता है। मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रस्ताव किया कि रांची राजभवन का नाम भगवान बिरसा के नाम पर बिरसा भवन और दुमका स्थित राजभवन को सिद्धो कान्हू भवन किए जाए।

हर घर नल-जल योजना पर जांच की मांग : सदन में पक्ष और विपक्ष दोनों ही हर घर नल-जल योजना को लेकर ने अपनी बात रखी। कई जिलों में इस योजना के तहत काम पूरा ही नहीं हुआ। विधायकों ने कहा कि इस योजना में कई कमियां हैं। पिछले कार्यकाल में शुरू हुआ काम आज तक पूरा नहीं हो सका। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि विभाग हमारी बात भी नहीं सुनता है। डीएमएफटी से फंड देने के बाद भी काम नहीं होता है।

घानी बोर्ड बनाने और एसटी आयोग बनाने की हुई मांग : पूर्वी जमशेदपुर विधायक पूर्णिमा साहू ने तेली समाज के परंपरागत पेशे को जीवित करने के लिए राज्य में घानी बोर्ड बनाने की मांग की। सदन में कहा कि तेली समाज का मुख्य काम तेल निकालना था। राज्य में यह लगभग लुप्तप्राय हो गया है। ऐसे में परंपरागत पेशे को जीवित करने के लिए घानी बोर्ड बनाई जाए। वहीं उन्होंने कुम्हार समाज के लिए पूर्व में बनाए गए माटीकला बोर्ड को फिर से एक्टिव करने की बात कही।

वहीं डूमरी में महिला डिग्री कॉलेज बनाने की मांग को विधायक जयराम महतो ने उठाया। कहा कि डूमरी विधानसभा में महिला डिग्री कॉलेज बनाने की दिशा में कार्रवाई करने का अनुरोध किया। सदन की कार्यवाही के दौरान शून्यकाल में विधायक भूषण तिर्की ने शून्यकाल के दौरान कहा कि राज्य में अनुसूचित जनजाति की संख्या साल 2011 की गणना के अनुसार 26.2 फीसदी है। राज्य में अनुसूचित जनजाति के डेवलपमेंट के लिए राज्य में आयोग का गठन हो। राज्य से सटे छत्तीसगढ़ राज्य में भी अनुसूचित जनजाति आयोग गठित है।

प्रगति यात्रा में घोषित 430 में से 428 योजनाओं को मंजूरी

सीएम बोले- प्राथमिकता से पूरा करें काम

राज्य ब्यूरो, पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं को प्राथमिकता के स्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया है। बुधवार को उन्होंने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक की। इस यात्रा के दौरान 430 योजनाओं की घोषणा की गई थी। नीतीश की यह यात्रा पिछले साल के दिसंबर में शुरू हुई थी। इस साल जनवरी में समाप्त हुई।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, "मैंने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा था। यात्रा के दौरान जो लोगों का फीडबैक मिला और जमीनी स्तर पर मुझे जो कमी दिखी, उसे पूरा करने के लिए 430 नई योजनाओं को स्वीकृति दी गई। इसपर 50 हजार करोड़ खर्च किये जाएंगे।'

उन्होंने कहा कि सभी 38 जिलों से संबंधित इन योजनाओं की लगातार समीक्षा करते रहें। कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए इसका सतत अनुश्रवण करते रहें। सभी विभाग लंबित योजनाओं पर तेजी से काम करते हुए इन्हें जल्द पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हमलोग लगातार प्रयत्नशील हैं। राज्य के सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। लोगों के उत्थान के लिए जो योजनाएं बनाई गई हैं उनपर पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। हम सभी चाहते हैं कि बिहार देश के पांच अग्रणी विकसित राज्यों में शामिल हो।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाएं सरकार के 22 विभागों से जुड़ी हैं। 430 में से 428 योजनाओं को स्वीकृति दे दी गई है।

शेष दो योजनाएं तकनीकी रूप से अनुपयुक्त पाई गई हैं। ये दोनों जल संसाधन विभाग से संबंधित हैं। 21 योजनाओं का काम पूरा हो चुका है। शेष योजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है। इन्हें ससमय पूर्ण कर लिया जाएगा।

बैठक में इनकी थी उपस्थिति : उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव एवं सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, डा. चन्द्रशेखर सिंह एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डा. गोपाल सिंह।

संक्षिप्त समाचार

पटना जू में हाथी की सरसों तेल से मालिश:भालू खा रहा गुड़ की खीर

पटना, एजेंसी। ठंड के मौसम में वन्य जीवों के बचाव के लिए पटना जू में विशेष इंतजाम किए गए हैं। शीतलहर के दौरान हाथी के पूरे शरीर को नियमित अंतराल पर सरसों तेल की मालिश की जा रही है और आहार में गन्ना, सोयाबीन, मौसमी फल और धान उबाल कर दिया जा रहा है। वहीं, मांसाहारी वन्यजीवों के आहार में बढ़ोतरी की गयी है। सभी वन्यजीवों को कैल्शियम और मल्टीविटामिन की दवाइयां दी जा रही है। पक्षियों के इंक्लोजर में शीतलहर से बचने के लिए प्लास्टिक शीट्स और एग्रोनेट से घेराव किए गए है ताकि आवश्यक लाइट और वेंटिलेशन बना रहे। बंदर, लंगूर, चिपांजी, हूलॉक गिब्बन, लॉयन टेल मकाक इत्यादि वन्यजीवों को कंबल दिए गए है। इसके साथ ही अजगर, कोबरा, वाइपर, धामीन आदि वन्यजीवों के सेल में फर्श पर कंबल बिछाए गए है और सामान्य तापमान बनाए रखने के लिए बल्ब लगाए गए है। चिंपांजी को च्यवनप्राश, शहद, गुड़ की खीर, आंवला का मरब्बा और मौसमी फल दिए जा रहे है। भालू को आहार में शहद, अंडा, गुड़ की खीर, गन्ना दिए जा रहे है। सभी वन्यजीवों के नाईट हाउस के खिड़की और अन्य वेंटिलेशन की खुली जगह फूस घास और बांस की चचरी से बंद किए गए हैं, ताकि शीतलहर में वन्यजीवों को ठंड ना लगे। इसके साथ ही नाइट हाउस के सेल में वन्यजीवों को बैठने के लिए लकड़ी के प्लेटफार्म रखे गए हैं। वहीं, नाइट-हाउस में ऑयल हीटर लगाए गए हैं, ताकि सामान्य तापमान बना रहे। वन्यजीवों पर 24 घंटे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पटना आईजीआईएमएस में बेड दिलाने के नाम ठगी, दलाल गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में मरीजों को बेड दिलाने और निजी अस्पतालों में भेजने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। मामले में मंगलवार को पुलिस ने एक दलाल को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान 50 वर्षीय मनोज कुमार शाही के तौर पर हुई है। पुलिस ने इस दलाल को संस्थान के इमरजेंसी वार्ड से पकड़ा गया। आरोपी मनोज कुमार शाही आईजीआईएमएस में भर्ती होने आए मरीजों के परिजनों को बहला-फुसलाकर पटना के निजी अस्पतालों में भेजता था। वह इमरजेंसी वार्ड में बेड दिलाने के नाम पर भी मरीजों के परिजनों से पैसे वसूलता था। पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आया है कि आरोपी बोरिंग रोड, दीघा आशियाना, बेली रोड, राजाबाजार और पाटलिपुत्र स्थित निजी अस्पतालों में मरीजों को भेजता था। पूछताछ में उसने बताया कि इलाके का एक सुरक्षाकर्मी भी इसमें शामिल है। दोनों मिलीभगत से मरीजों को बेड दिलाने, जांच कराने और निजी अस्पतालों में भेजने का काम करते थे। आईजीआईएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि आरोपी मनोज विकलांग है, जिस कारण शुरुआत में उस पर संदेह नहीं हुआ। सीसीटीवी फुटेज और मरीजों के परिजनों की शिकायत के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से ठीक पहले मनोज इमरजेंसी वार्ड के बेड नंबर एबी 5 पर भर्ती चंदा चौबे के परिजन शशि भूषण चौबे से पैसे का लेनदेन कर रहा था, तभी उसे रंगेहाथों पकड़ा गया। मनोज कुमार शाही मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर का निवासी है। संस्थान प्रशासन ने शास्त्रीनगर थाने की पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अब उसके साथ शामिल अन्य दलालों की भी तलाश कर रही है, जिन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा।

हड़ियाही डैम के काम को हर हाल में पूरा करेंगे: विधायक ललन राम

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के कुटुंबा से हम पार्टी के विधायक ललन राम ने पीएम नरेंद्र मोदी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कुटुंबा विधानसभा के विकास और जनता की समस्याओं का समाधान को पूरी गंभीरता से करेंगे। परिवार से आने के बावजूद पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। अब उनकी पहली प्राथमिकता गरीब-गुरबा का काम करना है। पिछले कार्यकाल के अधूरे विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाएगा। हड़ियाही डैम को किसानों के सपनों का प्रोजेक्ट बताते हुए कहा कि अधिकारियों से बातचीत कर इसे हर हाल में पूरा करवाया जाएगा। कुटुंबा क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है। यहां की सड़कें जर्जर स्थिति में हैं। 10 वर्षों तक प्रतिनिधित्व से दूर रहने के कारण कई काम अधूरे रह गए, लेकिन अब सभी जर्जर सड़कों, पुल-पुलियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। स्कूल और स्वास्थ्य विभाग में गड़बड़ियों की समीक्षा कर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। ललन राम ने आगे कहा कि हर पंचायत में चौपाल आयोजित कर जनता की समस्याओं को सीधे सुना जाएगा। विपक्ष मुद्दा विहीन है। बुलडोजर कार्रवाई पर कहा कि यह न्यायालय का विषय है, लेकिन प्रशासन को पहले गरीबों के लिए रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात कर कुटुंबा के प्रभावित परिवारों के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है। 15 दिसंबर को प्रखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें विकास कार्यों की प्रगति पर विशेष चर्चा होगी।

28 भूमिहीन परिवारों को मिला बासगीत पर्चा, सहरसा में 7 भूमिहीन महादलित परिवारों को मिलेगा लाभ

सहरसा, एजेंसी। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत मंगलवार को सहरसा के कहरा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नवनिर्वाचित विधायक इंद्रजीत प्रसाद उर्फ (आईपी) गुप्ता ने 28 भूमिहीन परिवारों को विधिवत रूप से बासगीत पर्चा वितरित किया। विधायक आईपी गुप्ता ने बताया कि सरकार की इस योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों को सम्मानपूर्वक रहने के लिए जमीन उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपना स्थायी आवास बना सकें। उन्होंने कहा कि पर्चा प्राप्त करने वाले लाभुकों को अब अपने आवास निर्माण का पूर्ण अधिकार मिल गया है।

गुप्ता ने यह भी आश्वासन दिया कि विधानसभा क्षेत्र में बचे हुए अन्य भूमिहीन परिवारों को भी शीघ्र ही चिह्नित कर सर्वेक्षण पूरा होते ही बासगीत पर्चा उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे कोई भी पात्र परिवार इस योजना से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान अंचल कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र में रेलवे जमीन पर बसे 7 भूमिहीन महादलित परिवारों और दिवारी पंचायत के 21 भूमिहीन महादलित परिवारों को योजना का लाभ प्रदान किया गया है। इन परिवारों को लंबे समय से स्थायी आवास की तलाश थी, और जमीन का कानूनी अधिकार मिलने से उनमें खुशी का माहौल देखा गया।

इस अवसर पर कहरा अंचल के सीओ सौरभ कुमार, राजद जिलाध्यक्ष प्रो मोहम्मद ताहिर, राजद नेता रंजीत यादव, प्रखंड प्रमुख रचना प्रकाश, अध्यक्ष पवन कुमार यादव सहित अंचल कार्यालय के कई कर्मचारी व पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बासगीत पर्चा वितरण से भूमिहीन परिवारों का भविष्य सुरक्षित होगा और उनके जीवन में स्थिरता आएगी। कार्यक्रम के अंत में विधायक ने दोहराया कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी लाभुकों को शुभकामनाएं दीं और शेष पात्र परिवारों तक भी योजना पहुंचाने का आश्वासन दिया।

नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास, बक्सर कोर्ट का बड़ा फैसला

बक्सर, एजेंसी। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने मंगलवार को नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ल की अदालत ने सुनाया।

मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदू सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9:30 बजे पोखरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया।अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। मामले के दो आरोपी विकास वर्मा और संतोष पासवान अब भी फरार हैं, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी तक अदालत में उपस्थित नहीं हुए हैं।

पछुआ हवा ने बढ़ाई पूरे बिहार में ठंड, कोहरे के कारण ट्रेनें लेट, यात्री परेशान

पटना, एजेंसी। बिहार में पछुआ हवा के कारण ठंड और बढ़ गई है। 20-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे प्रदेश में कनकनी महसूस की जा रही है। भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, गोपालगंज समेत कई जिलों में घने कोहरे की वजह से लोगों को सुबह-सुबह भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सावधानी के साथ चलना पड़ रहा है, वहीं कोहरे का असर ट्रेनों के परिचालन पर भी साफ दिखा।मंगलवार को श्रमजीवी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनें पटना लेट पहुंचीं। आज भी राजधानी आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

आने वाले दिनों में और घना होगा कोहरा, ठंड और बढ़ेगी

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह की ठंडी पछुआ हवा चल रही है, उससे आने वाले दिनों में कोहरा और घना होने की संभावना है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के आसार हैं। पूर्वी बिहार में कुहासा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह-शाम निकलते समय सावधानी बरतें।

अगले सात दिन भी शुष्क रहेगा मौसम, सुबह बढ़ेगा कोहरा : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहने वाला है। सुबह के समय राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। तापमान के रुझान की बात करें तो अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक और न्यूनतम तापमान में अगले तीन से चार दिनों तक किसी विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। चढ़ने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है।

समस्तीपुर में अतिक्रमण के खिलाफ माले का प्रदर्शन, फुटपाथी दुकानदारों की झुग्गियां तोड़ने का आरोप

समस्तीपुर , एजेंसी। समस्तीपुर जिले के ताजपुर में भाकपा माले और व्यवसायी संघ 10 दिसंबर को नगर परिषद कार्यालय पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शन अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ आयोजित किया जा रहा है। आरोप है कि सिर्फ फुटपाथी दुकानदारों और झुग्गी-झोपड़ी वालों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि रसूखदार लोगों के मकान-दुकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में उजाड़े गए लोगों के लिए पुनर्वास की वैकल्पिक व्यवस्था करना, सड़क किनारे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर सस्ती दुकानें बनाकर फुटपाथियों को देना शामिल है। इसके अतिरिक्त बाजार की सड़कों की सरकारी अमीन से मापी कराकर सभी कच्चे-पक्के, स्थायी-अस्थायी निर्माणों को निष्पक्ष रूप से हटाने की मांग कर रहे हैं। अन्य मांगों में नगर परिषद की सभी जर्जर सड़कों और नालों का तत्काल निर्माण शुरू करना, सरकारी जमीन पर बसे लोगों को पर्चा और भूमिहीनों को वास भूमि एवं आवास उपलब्ध कराना और होल्डिंग टैक्स को मुफ्त करना शामिल है।

प्रदर्शन की सूचना 6 दिसंबर को अनुमंडल पदाधिकारी को दी गई थी। भाकपा माले के प्रतिनिधिमंडल में प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, प्रखंड कमेटी सदस्य ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह और व्यवसायी संघ के राज्य कमेटी सदस्य प्रभात रंजन गुप्ता शामिल थे।नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी को भी लिखित आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई है। भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि नगर और प्रखंड प्रशासन रसूखदार लोगों के सड़क किनारे बने मकान-दुकान हटाने में विफल रहा है, जबकि फुटपाथी दुकानदारों और झुग्गी-झोपड़ी वालों पर बुलडोजर चलाया गया है। बाजार क्षेत्र की सभी सड़कों की सरकारी अमीन से मापी कराकर निष्पक्ष कार्रवाई और उजाड़े गए फुटपाथी दुकानदारों के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग दोहराई। फुटपाथियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाने, नगर परिषद क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों और नालों का निर्माण करने, निशुल्क होल्डिंग पंजीकरण करने और खेती योग्य जमीन को टैक्स-फ्री घोषित करने की भी मांग की।

बिहार राज्य व्यवसाई संघ के राज्य कमिटी सदस्य प्रभात रंजन गुप्ता और किसान नेता ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने बेहतर, खुशहाल और समरस ताजपुर बनाने को लेकर 10 दिसंबर को नगर परिषद कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन में बड़ी भागीदारी दिलाकर सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की है।

सहरसा में खगड़िया की महिला की संदिग्ध मौत

सहरसा, एजेंसी।

सहरसा सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाई गई करीब 50 वर्षीय महिला ने उपचार शुरू होने से पहले ही दम तोड़ दिया। वह सड़क किनारे अचेत अवस्था में मिली थी। एक राहगीर ने मानवता दिखाते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मामले की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस जांच में जुट गई है।

सदर थाना के सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि महिला के पास एक झोला मिला था। झोले की तलाशी के दौरान एक पर्चा बरामद हुआ, जिसके आधार पर मृतका की पहचान खगड़िया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित परकंडी टोला निवासी रंजन देवी के रूप में की गई। पुलिस ने पर्चे पर दर्ज नंबर के जरिए परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दे दी है।

पुलिस के अनुसार, महिला किन परिस्थितियों में सड़क किनारे बेहोश होकर गिरी और उसकी मौत का वास्तविक कारण क्या है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस इसे संदिग्ध मामला मानकर जांच कर रही है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला किसी दुर्घटना का शिकार हुई थी या फिर मामला कुछ और है। जिस राहगीर ने महिला को अस्पताल पहुंचाया, उससे भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से भी जानकारी एकत्र की जा रही है ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।

ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी युवक की मौत

आरा, भोजपुर, एजेंसी। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर बक्सर के रघुनाथपुर स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरकर बक्सर निवासी युवक की मौत हो गई। इलाज के समय आरा सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। मृतक बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार मल्होत्रा का 18 साल का बेटा धनराज कुमार है। वह मजदूर था।

मृतक के परिजन बताया कि वह अपने गांव के ही आठ अन्य लोगों के साथ हर रोज की तरह रघुनाथपुर स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन की ओर से दानापुर मजदूरी करने जा रहा था। उसी दौरान रघुनाथपुर स्टेशन के पास ही वह चलती ट्रेन से असंतुलित होकर गिर पड़ा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथ रहे साथियों की ओर से उसे इलाज के लिए रघुनाथपुर पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया।

इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिजन अपनी स्वेच्छा से उसके शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। मृतक अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां कुसुम देवी व एक भाई किशन कुमार और एक बहन शीतल कुमारी है।

बिहार के 'नेचर-वाइल्ड लाइफ सर्किट' में शामिल होगा बरैला अभयारण्य

जंदाहा, एजेंसी। पातेपुर और जंदाहा प्रखंड में अवस्थित डाक्टर सलीम अली जुब्बा सहनी अभयारण्य का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। कार्य पूर्ण होते ही यह झील राज्य के पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो जाएगी। इसी को लेकर डीएम वर्षा सिंह ने सोमवार को बरैला झील का व्यापक निरीक्षण किया।

डीएम ने बरैला झील में बने वाच टावर से पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित पक्षी मित्रों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया। स्थानीय मुखिया ने पक्षी मित्रों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता जताई। डीएम ने पक्षी मित्रों को प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

मौके पर मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने झील के आसपास पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाने का अनुरोध भी किया। डीएम ने सभी वनरक्षियों को निर्देश दिया कि नियम के तहत सुबह और शाम क्षेत्र का भ्रमण कर प्रवासी पक्षियों की रक्षा सुनिश्चित करें।

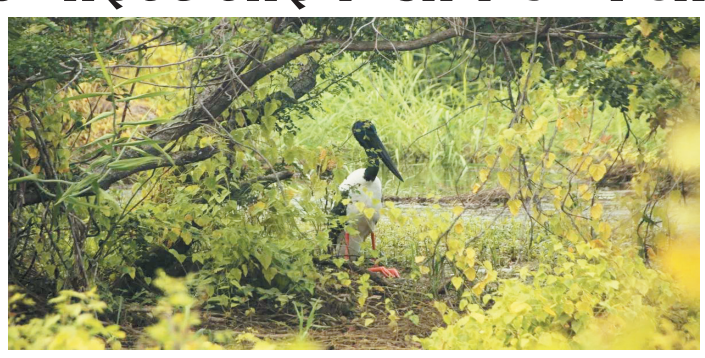

डीएम ने कहा कि किसी भी वन्य प्राणी को पकड़ना, पालना, खरीदना, शिकार करना या उसके अंगों से बनी वस्तुओं का उपयोग करना दंडनीय अपराध है, जिसके लिए 25 हजार रुपये तक जुर्माना और 7 वर्ष तक की सजा हो सकती है।

वन रक्षी पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को क्षेत्र में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (आपदा), जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जंदाहा एवं पातेपुर अंचलाधिकारी, पातेपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी के अलावा पर्यावरणविद् पंकज कुमार चौधरी एवं स्थानीय मुखिया कुंदन चौधरी आदि भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि बरैला झील तक पहुंच पथ निर्माण हेतु भू-अर्जन की कार्रवाई की जानी है। इसके लिए 10 दिसंबर को भू-अर्जन सीमांकन के लिए जनसुनवाई निर्धारित की गई है। डीएम ने भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि रैयतों से आवेदन लेकर समेकित प्रतिवेदन तैयार किया जाए।

साथ ही बरैला झील से मुख्य मार्ग तक संपर्क सड़क के लिए भी भूमि सीमांकन कर अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि झील में वर्तमान समय में गाद जमाव, इनलेट-आउटलेट के जाम होने और जल प्रबंधन के अभाव में पर्याप्त जलस्तर बनाए रखना कठिन हो गया है। सरकारी परियोजना पूर्ण होने के बाद वेटलैंड में पानी के प्रवाह को बढ़ाना और स्थायी रूप से बनाए रखना आसान हो जाएगा।

डीएम ने बताया कि बरैला आर्द्रभूमि का कुल क्षेत्रफल 1625.34 हेक्टेयर है, जिसमें से 197.91 हेक्टेयर क्षेत्र को बिहार सरकार की अधिसूचना (28 जनवरी 1997) के तहत बरैला झील सलीम अली पक्षी अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचित क्षेत्र 21 छोटे-छोटे पृथक खंडों में बंटा है।

यह झील और आसपास का क्षेत्र वनस्पति व जीव-जंतुओं की समृद्ध जैव विविधता का केंद्र है, जिसमें प्रवासी पक्षियों की 59 प्रजातियां, स्थानीय पक्षियों की 106 प्रजातियां, 16 पेड़ प्रजातियां, 11 झाड़ीदार प्रजातियां और बहुत कुछ शामिल है। यह आर्द्रभूमि पक्षी विज्ञान और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बरेला झील के विकास एवं सौंदर्यीकरण की घोषणा की थी। उनकी घोषणा के बाद इस क्षेत्र को विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का आरोपी मुठभेड़ में घायल, पैर में लगी गोली- तीन साथी फरार, तलाश जारी

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में पिछले दिनों मोहम्मदाबाद व नवाबगंज क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से तेल चोरी की घटनाएं हुईं थीं। मंगलवार देर रात मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने नहरैया गांव के पास मुठभेड़ में नवाबगंज के गांव बांसमई निवासी सनी को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से वह घायल हुआ है। उसे सीएचसी से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है। उसके तीन साथी फरार हो गए हैं। मौके से एक ईको कार, तेल व अन्य सामान बरामद हुआ हैं। आरोपी पर छह मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

11 को आएंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

करंजाकला, एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के पिता सवधू यादव (92) के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। इस बीच शोक जताने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी आने की सूचना है। मुख्यमंत्री कार्यालय से राज्यमंत्री की इस संबंध में बात भी हुई है। मुख्यमंत्री 11 दिसंबर को जौनपुर दौरे पर आएंगे। वे राज्यमंत्री के घर शोक जताने समसपुर पानीयारियां जाएंगे। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के पिता का निधन 2 दिसंबर की देर शाम हुआ था। उनके निधन के बाद प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, कई राज्यमंत्री व जनप्रतिनिधि पहुंचकर शोक संवेदना जता चुके हैं। उधर, सीएम के कार्यक्रम की सूचना मिलते ही मंगलवार से ही गांव में सफाई और अन्य तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला प्रशासन की तरफ से हेलिपैड बनाने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की भी तैयारियों में जुट गए हैं। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के 11 दिसंबर के आने की सूचना है। हालांकि अभी आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

सिंचाई करते समय नदी में गिरने से युवती की मौत

औरैया, एजेंसी। नदी किनारे पंपसेट से फसल की सिंचाई कर रही युवती का अचानक पैर फिसल गया। इससे वह नदी में गिर गई। मां ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह गहराई में जा चुकी थी। ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। थाना क्षेत्र के गांव पुरवा भवानी निवासी किसान वीरेंद्र सिंह की बेटी फूलमती (18) मंगलवार दोपहर मां रमा देवी व छोटी बहन हिमांशी के साथ गांव के बाहर खेत पर गई थी। वह खेत के पास से निकली पांडु नदी पर पंपसेट लगाकर खेत में फसल की सिंचाई कर रही थी। इसी दौरान फूलमती का अचानक पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गई। मां व उसकी बहन ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी गहरी होने के कारण युवती डूब गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची थाना पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। मां से हादसे के बारे में पूछताछ की। बाद में शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया है कि प्राथमिक जांच में युवती के डूबने से मौत की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण साफ होगा।

सफारी वाहनों से बाघ को घेरने के मामले में कमिश्नर सख्त

पीलीभीत, एजेंसी। पर्यटन के नाम पर वन्यजीवों की सुरक्षा से खिलवाड़ अब अधिकारियों के गले की हड्डी बन गया है। बराही रेंज में सायफन पुल पर बाघ का रास्ता रोककर सफारी वाहन खड़े करने की लापरवाही का वीडियो वायरल होने के बाद उच्च स्तर तक हलचल मच गई है। बरेली मंडल के कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने घटना को गंभीर मानते हुए डीएम को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पूरे वन विभाग और पर्यटन स्टाफ में खलबली मची है। डीएम के निर्देश पर एआरटीओ ने जांच शुरू कर दी है। पीटीआर के पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की सुविधा के साथ नियमों का पालन कराने के निर्देश जारी किए जाते हैं। खासकर सफारी के दौरान बाघ दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी और रास्ता को न रोकने पर विशेष जोर दिया जाता है लेकिन रविवार को सफारी के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया था। जबकि सफारी के दौरान कुछ जिप्सी वाहनों को सायफन पुल की ओर ले जाया गया और पुल पर विचरण कर रहे बाघ के रास्ते को दोनों ओर वाहन लगाकर रोका गया था। सोमवार को वीडियो वायरल होने के बाद अफसर गंभीर हुए थे। मामले में चार वाहनों के चालक, गाइड के अलावा रेंजर, बीट प्रभारी, वाचर को नोटिस जारी किया था। इधर मामले का कमिश्नर एस चौधरी ने संज्ञान लिया।

यूपी में कटेंगे तीन करोड़ मतदाताओं के नाम

चुनाव आयोग का निर्देश, सूची से हटाए गए नामों की दोबारा जांच करें

लखनऊ , एजेंसी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से काटने के लिए चिह्नित मतदाताओं के मामले में दोबारा जांच करने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए हैं। अभी तक इस श्रेणी में 18.48 प्रतिशत मतदाता चिह्नित किए गए हैं। आयोग ने समीक्षा बैठक में इस संख्या को काफी ज्यादा माना है। स्थिति यह है कि अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार, करीब तीन करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे, जोकि केरल के मतदाताओं की कुल संख्या से भी ज्यादा है।

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग की अध्यक्षता में प्रदेश के सभी मंडलायुक्त, रोल प्रेक्षक, विशेष रोल प्रेक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारियों और अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र के सापेक्ष 98.14 प्रतिशत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। इन डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 79.95 प्रतिशत गणना प्रपत्र मतदाता या उसके परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर के बाद प्राप्त हुए हैं। डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 18.48 प्रतिशत गणना प्रपत्रों को असंग्रहीत यानी मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दो जगह वोट वाले मतदाताओं आदि की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के पुनः सत्यापन के निर्देश दिए गए। जिन मतदेय स्थलों पर शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है, वहां पर बीएलओ द्वारा अपने बूथ के असंग्रहीत मतदाताओं की सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान 12 दिसंबर तक सभी बीएलओ के साथ बीएलए की बैठक कराए जाने के निर्देश दिए गए।

73 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग : मतदाताओं या उसके परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर से प्राप्त गणना प्रपत्रों में से वर्ष-2003 की मतदाता सूची से मैप किए गए मतदाताओं का प्रतिशत 72.90 प्रतिशत है और 27.10 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग अभी शेष है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि है वे मैपिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लें, ताकि कम से कम संख्या में नोटिस जारी हो।

नए मतदाता बनाने के लिए फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश : गणना अवधि में फार्म-6 कम संख्या में प्राप्त हो रहे हैं, इसलिए यह निर्देशित किया गया कि जिला निर्वाचन अधिकारी अपने जिले के विधानसभा क्षेत्रों में फार्म-6 प्राप्त होने की समीक्षा कर लें। यदि किसी मतदाता का नाम 2025 की सूची में न होने के कारण गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं तो ऐसे मतदाताओं से फार्म-6 भरवा लिए जाएं। जो युवा 1 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष के हो रहे हैं, उनको मतदाता बनाने के लिए फार्म-6 भरवाए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 9 जिलों और 88 विधानसभा क्षेत्रों व 131308 बूथों में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है

लखनऊ की मतदाता सूची में शामिल थे 1.26 लाख मृतकों के नाम, 45 हजार के दो जगह थे नाम

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ की मतदाता सूची में 1.26 लाख नाम उन लोगों के शामिल थे जिनकी मृत्यु हो चुकी है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में इसका खुलासा हुआ है। अब इन मृत मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। ये आंकड़ा कुल मतदाताओं का 3.1 फीसदी है।

वर्तमान में एसआईआर का कार्य अंतिम चरण में है। दावा है कि तय समय में कार्य पूरा हो जाएगा। लखनऊ की वर्तमान मतदाता सूची में 39 लाख 94 हजार 535 मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर के दौरान पता चला कि एक लाख 26 हजार ऐसे मतदाताओं के नाम हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। नियमानुसार इनके नाम सूची से हटाए जाने थे, लेकिन अब तक ये नाम जुड़े हुए थे। अब इन नामों को हटाया गया है। नई सूची में मृतकों के नाम हट चुके होंगे।

एसआईआर के दौरान अब तक 45 हजार ऐसे मतदाता सामने आए हैं जिनका नाम दो जगह की मतदाता सूची में है। ये सभी लखनऊ के ही रहने वाले हैं। ये पहले एक जगह वोटर थे। दूसरे स्थान गए तो वहां की सूची में भी नाम जुड़वा लिया, लेकिन

पहली सूची से अपना नाम नहीं हटवाया। अब इनका नाम सिर्फ एक जगह की सूची में रहेगा। दूसरी जगह से नाम हटाया जा रहा है।

5.12 लाख मतदाता हो चुके हैं विस्थापित : मौजूदा मतदाता सूची में शामिल 5.12 लाख मतदाता ऐसे हैं जो शहर से विस्थापित हो चुके हैं। एसआईआर के बाद जो मतदाता सूची जारी होगी उसमें इनके नाम नहीं शामिल किए जाएंगे। ऐसे लोग वर्तमान में जिस जगह रह रहे हैं, वहीं की मतदाता सूची में नाम जोड़ा जाएगा।

आज व कल ही मौकाः एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर है। अब भी जिन लोगों ने फॉर्म नहीं भरा है तो उनके पास सिर्फ दो दिन यानी बुधवार और बृहस्पतिवार का ही समय है। ऐसे लोग अपने इलाके के बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

लोकबंधु में बिना डोनर दिया जाएगा खून

लखनऊ, एजेंसी। लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय अपना स्थापना माह बना रहा है। इस उपलक्ष्य में गंभीर रोगियों की जीवन रक्षा के लिए 10 से 15 दिसंबर तक बिना डोनर खून मुहैया कराया जाएगा। इसमें बी, ओ एवं एबी पॉजिटिव ग्रुप का खून एवं पैक्ड रेड ब्लड सेल (पीआरबीसी) दिया जाएगा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर ने बताया कि किसी भी निजी अस्पताल या राजकीय चिकित्सालय में भर्ती रोगी इसका लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। सभी लोगों को वर्ष में एक या दो बार रक्तदान जरूर करना चाहिए जिससे जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचाई जा सके।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र निर्धारण में आईं 96 आपत्तियां

औरैया, एजेंसी। औरैया। यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर 96 आपत्तियां आई हैं। सबसे ज्यादा आपत्तियां परीक्षा केंद्र दूर होने को लेकर हैं। ऐसा स्कूलों की गलती के कारण ही हुआ है।

जियो टैगिंग के कारण गूगल मैप ने उसी दूरी को आधार बनाकर परीक्षा केंद्र फाइनल कर दिया। अब जिला स्तरीय टीम आपत्तियों के सत्यापन में जुट गई है।

यूपी बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होनी है। इसके परीक्षा केंद्र बनाने को लेकर जिले के 68 स्कूलों ने आवेदन किया था। बोर्ड से जारी सूची में चार केंद्र कम कर दिए गए और 64 केंद्रों पर परीक्षा कराने के लिए केंद्रों की प्रारंभिक सूची जारी कर दी गई।इसके बाद केंद्रों को लेकर आपत्ति मांगी गई थीं। जिले से 96 आपत्तियां आई हैं। इनमें सबसे अधिक परीक्षा केंद्र दूर होने की हैं। दरअसल, परीक्षा केंद्र के लिए केंद्र की जियो टैगिंग करनी होती है। कुछ स्कूलों ने इसमें गलती कर दी, ऐसे में लोकेशन कहीं और दिखने से सॉफ्टवेयर ने गूगल मैप की मदद से उसी दूरी को आधार बना लिया और नजदीकी परीक्षा केंद्र निर्धारित कर दिया। इसका असर यह हुआ कि परीक्षा केंद्र दूर हो गया।

इसके अलावा प्रारंभिक सूची में आठ कॉलेज ऐसे भी शामिल हैं, जिनमें परीक्षा कराने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे आठ कॉलेजों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए केंद्र न बनाए जाने की मांग कर दी है। इनमें तीन राजकीय विद्यालय शामिल हैं। वहीं, कम क्षमता वाले लगभग 10 कॉलेज भी परीक्षा केंद्र बना दिए गए हैं।

रबड़ शीट फैक्टरी में भीषण आग: टोरंट ने नहीं बंद की बिजली, धमाकों से थर्राया इलाका

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना हरीपर्वत के सोंठ की मंडी स्थित विजय कुंज में जूते-चप्पल की रबड़शीट बनाने की फैक्टरी में भीषण आग लग गई। एफएसओ संजय प्लेस सोमदत्त सोनकर ने बताया कि घटना के बाद जब दमकलकर्मी पहुंचे तो देखा कि बिजली की लाइन चालू है। ऐसे में पानी डालने पर करंट फैलने की आशंका थी। इसको देखते हुए टोरंट को संदेश भेजा गया कि बिजली काट दी जाए क्योंकि फैक्टरी के पास ही उसका जंक्शन बाक्स भी लगा हुआ था। मैसेज करने के बावजूद लाइन बंद नहीं की गई। इस वजह से दो धमाके भी हुए। कोई रिस्पांस न आने पर टीम आग बुझाने में जुट गई। आधा घंटे बाद बिजली को बंद किया गया। आग में एक बाइक व एक स्कूटर भी जल गया।

घटना के बाद विजय कुंज के लोग भी आ गए। उनका कहना था कि फैक्टरी में रात

के समय ज्यादा काम होता है। 10-12 श्रमिक काम करते हैं। रात में मशीनों की आवाज आती है। हालांकि फैक्टरी के आसपास किसी का घर नहीं है। इसमें आग बुझाने के इंतजाम थे या नहीं इसकी जांच की जानी चाहिए।

दमकल कर्मियों ने रात तकरीबन 12 बजे आग पर काबू कर लिया था। मगर जब वो फर्श पर पड़े जलते हुए मलबे पर पानी डाल रहे थे तो फिर से लपटें निकलने लगीं। इस कारण देर रात तक दमकल कर्मी आग बुझाने के प्रयास में लगे हुए थे।

फैक्टरी के पीछे ही बिल्लोचपुरा स्टेशन है। प्लेटफार्म के साथ ही बिजली की लाइन भी जा रही है। इस कारण दमकलकर्मियों को डर था कि लाइन की तरफ पानी की बौछार न चली जाएं। वहीं धुएं से आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इस कारण वो घटनास्थल से दूर चले गए। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि फैक्टरी से धमाकों की आवाज भी आ रही थी। ये किसमें हुए पता नहीं चल सका।

घटना के बाद विजय कुंज के लोग भी आ गए। उनका कहना था कि फैक्टरी में रात के समय ज्यादा काम होता है। 10-12 श्रमिक काम करते हैं। रात में मशीनों की आवाज आती है। हालांकि फैक्टरी के आसपास किसी का घर नहीं है। इसमें आग बुझाने के इंतजाम थे या नहीं इसकी जांच की जानी चाहिए।

नानपारा-लखीमपुर हाईवे का 38 किमी हिस्सा बना मौत का कॉरिडोर

मिहींपुरवा, एजेंसी। तराई और पूर्वांचल को दिल्ली से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-730 का नानपारा से जालिमनगर पुल तक का करीब 38 किमी हिस्सा बढ़ते हादसों के कारण मौत का कॉरिडोर बन गया है। सफर के दौरान हर दिन किसी न किसी घर में मौत दस्तक दे रही है। छह ब्लैक स्पॉट चिह्नित होने के बावजूद सड़क चौड़ी न होने, चेतावनी संकेतक न रहने और रफ्तार पर नियंत्रण न होने से हादसों का सिलसिला लगातार जारी है।

सोमवार देर रात गूढ़ चौराहे के पास ड्यूटी पर जा रहे मोतीपुर थाने के दारोगा राहुल गुप्ता अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।

हादसे का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले छह महीनों में इस 38 किमी खंड में आठ लोगों की मौत और 24 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने छह स्थानों को ब्लैक स्पॉट घोषित किया, लेकिन ब्लैक स्पॉट पर न तो संकेतक लगे हैं न ही सड़क को चौड़ा करने के लिए कोई कदम उठाया गया है।

कतर्नियाघाट वन क्षेत्र के भीतर नैनिहा, सेमरहना और गिरगिट्टी के पास सड़क बेहद संकरी है। दोनों ओर घना जंगल और बीच में पतली सड़क रोज हादसे को न्योता दे रही है। जालिमनगर पुल से रायबोझा तक यह क्षेत्र हादसों का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बनकर उभरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द सड़क चौड़ीकरण, गति नियंत्रण, साइनेज और पेट्रोलिंग नहीं बढ़ाई गई तो हालात और भयावह हो जाएंगे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल तैयार, तीन विभूतियों की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं हैं बड़ा आकर्षण

लखनऊ , एजेंसी। पुराने शहर में पड़ने वाली एलडीए की बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ में फैला राष्ट्र प्रेरणा स्थल बनकर तैयार हो गया है। इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। यह स्थल ऊपर से देखने पर कमल की आकृति में नजर आता है। यहां पर भारत माता की सुदर्शन चक्र लिए हुए प्रतिमा, कमल के फूल और दीये की आकृति के बड़े मॉडल भी स्थापित किए जाएंगे।

इसका लोकार्पण 25 दिसंबर को भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराने की तैयारी। इसके बाद पुराने शहर को एक बड़ा आयोजन स्थल और मनोरंजन के लिए नया पार्क मिल जाएगा। प्रेरणा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। तीनों

प्रतिमाएं कांस्य की हैं जो 65 फीट ऊंची हैं। इनके निर्माण पर 21 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यह प्रतिमाएं स्टेच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले प्रमुख मूर्तिकार रामसुतार और माटूराम ने बनाई हैं। तीनों विभूतियों से जुड़ी यादों को संजोने के लिए एक म्यूजियम भी बनाया गया है। इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रेरणा स्थल पर म्यूजियम ब्लॉक, मेडिटेशन सेंटर, तीन हैलीपैड, रैली आदि के लिए काफी बड़ा मंच विकसित किया गया है। म्यूजियम ब्लॉक में दीये की आकृति वाला मॉडल लगाए जाने के बारे में जानकारों का कहना है कि पहले यही आकृति जनसंघ की पहचान थी। प्रेरणा स्थल में सिविल से जुड़े सभी कार्य पूरे हो गए हैं। म्यूजियम ब्लॉक को सजाने का काम चल रहा है। यहीं तीनों महान विभूतियों के जीवन से जुड़ी सभी चीजों को प्रदर्शित किया जा रहा है। उनके जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को दर्शाया जा रहा है। म्यूजियम ब्लॉक लगभग 6300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बना है। इसमें वीवीआईपी व जन सामान्य के लिए दो अलग गेट हैं। पांच गैलरी हैं, जिनमें तीनों विभूतियों की तस्वीरें, स्टोन म्यूरल्स के साथ ही डिजिटल पैनल पर लाइव ऑडियो-वीडियो विजुअल्स प्रदर्शित किए जाएंगे।

महराजगंज के चर्चित रामगोपाल हत्याकांड में 10 अभियुक्त दोषी करार, तीन दोषमुक्त

बहराइच , एजेंसी। तहसील महसी के महराजगंज में पिछले वर्ष हुए बहुचर्चित रामगोपाल हत्याकांड में मंगलवार को प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश के कोर्ट ने दस अभियुक्तों के दोषी करार दिया है। वहीं, तीन को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया है। कोर्ट अब सजा के बिंदु पर अपना फैसला 11 दिसंबर को सुना सकता है। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान कचहरी परिसर का बाहरी इलाका पुलिस छावनी में तब्दील रहा।

तहसील महसी थाना हरदी क्षेत्र के महाराजगंज गांव में 13 अक्तूबर 2024 को माता दुर्गा जी की मूर्ति विसर्जन के दौरान रेहुवा मंसूर गांव निवासी रामगोपाल मिश्रा की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में सांप्रदायिक दंगा फैल गया था। दंगे में आगजनी के दौरान उपद्रवियों ने कई घरों व प्रतिष्ठानों को आग के हवाले कर दिया था। कई दिनों तक महाराजगंज गांव हिंसा की चपेट में रहा। हिंसा की आग जिला मुख्यालय तक फैल गई थी। जिला मुख्यालय पर कुछ उपद्रवियों ने आधा दर्जन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया था।

दंगाइयों पर नियंत्रण के लिए बहुचर्चित आईपीएस अधिकारी अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था अमिताभ यश को पिस्तौल लेकर दौड़ना पड़ा था। काफी मशक्कत के बाद आगजनी व हिंसा पर काबू पाया गया था। घटना के बाद पीड़ित परिजनों की तहरीर पर हरदी थाने पर 13 अक्तूबर को ही अब्दुल हमीद, फहीम, सरफराज उर्फ रिंकू, मोहम्मद तालिब उर्फ सबलू, सैफ अली, जावेद खान, खुर्शीद, मोहम्मद जिशान उर्फ राजा उर्फ साहिल, शोएब खान, मोहम्मद अफजल उर्फ कल्लू, ननकऊ, मारुफ अली, शकील अहमद उर्फ बबलू को नामजद कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मामले में थाने की पुलिस ने साक्ष्यों व गवाहों आदि को एकत्रित कर 11 जनवरी 2025 को आरोप पत्र कोर्ट में सौंपा था। मंगलवार को प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा द्वितीय के कोर्ट ने सुनवाई पूरी करते हुए अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलील सुनने के बाद घटना में नामजद दस अभियुक्तों पर दोषसिद्ध कर दिया। वहीं तीन अभियुक्तों खुर्शीद, शकील उर्फ बबलू और मोहम्मद अफजाल उर्फ कल्लू को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। दोषियों के खिलाफ कोर्ट सजा के बिंदु पर 11 दिसंबर को फैसला सुना सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी पर मिसाइल और ड्रोन हमला रोकेगा देसी सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इस दौरान दिल्ली को सुरक्षित करने की भी चर्चाएं जोरों पर थीं। अब दिल्ली-एनसीआर को मिसाइल और ड्रोन जैसे हवाई खतरों से बचाने के लिए एक देसी एयर डिफेंस सिस्टम लगाने का फैसला किया गया है। अब दिल्ली के ऊपर किसी भी तरह के हवाई हमले को रोकने के लिए भारता स्वदेशी डिफेंस सिस्टम तैनात किया जाएगा। दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर बना रहा है। इसको इंडियन एयरफोर्स द्वारा मैनेज किया जाएगा, जिसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू सरफेस मिसाइल और वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम जैसे देशी पार्ट्स का इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए यह प्लान अमेरिका में बने नेशनल एडवांस्ट सरफेस टू एरियल मिसाइल सिस्टम- को खरीदने के पहले प्रपोजल से अलग है। इसको अमेरिका बहुत ज्यादा दाम की मांग कर रहा था, इसलिए देसी सिस्टम लगाने का फैसला किया गाया है। भारत रूसी एस-400 सिस्टम के बचे हुए स्क्वाड्रन भी रहा है, साथ ही ज्यादा एस-400 और एस-500 खरीदने को लेकर विचार कर रहहा है। दिल्ली-एनसीआर को बचाने के लिए बनाया गया यहा मल्टीलेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम देश की राजधानी को अलग-अलग तरह के हवाई हमले से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें तेज रफ्तार वाले एयरक्राफ्ट, मिसाइल और ड्रोन को रोकने की क्षमता भी शामिल है।

एनसीआर में आठ दिन बाद थोड़ी राहत, एक्यूआई 'ऑरेंज' श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लगातार आठ दिनों तक अति-गंभीर प्रदूषण स्तर झेलने के बाद मंगलवार को हवा की रफ्तार बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 'ऑरेंज' और 'रेड' के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे अस्थायी राहत बताया है। नोएडा में पीएम2.5 स्तर में गिरावट, कई स्टेशन ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किए गए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 की शुरुआत से 8 दिन लगातार एक्यूआई 'रेड' श्रेणी में रहा। 1 दिसंबर को नोएडा में पीएम2.5 का स्तर 321 दर्ज किया गया, 2 दिसंबर को यह 395, 3 दिसंबर को 365, जबकि 6 दिसंबर तक अधिकांश दिन 300 से ऊपर ही रहा। 9 दिसंबर को पहली बार सूचकांक में गिरावट दिखी और पीएम2.5 स्तर 285 पर आ गया, जो 'ऑरेंज' श्रेणी में आता है। नोएडा में बुधवार के एक्यूआई की बात करें तो सेक्टर-125 में 296, सेक्टर-62 में 236, सेक्टर-116 में 294 दर्ज किया गया। यानी, ज्यादातर स्टेशनों पर हवा बेहद खराब से खराब की श्रेणी तक पहुंच गई है, जो पिछले आठ दिनों की तुलना में राहत भरा स्तर है। गाजियाबाद में भी सुधार देखने को मिला है, हालांकि लोनी में अभी भी एक्यूआई रेड जोन में ही है। गाजियाबाद के आंकड़ों के अनुसार, इंदिरापुरम में 249, संजय नगर में 231, लेकिन लोनी का स्तर अब भी गंभीर स्थिति में बना हुआ है, जहां 319 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के कई स्टेशन भी 'ऑरेंज' जोन में हैं। दिल्ली में भी प्रदूषण के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जिनमें अलीपुर में 263, आनंद विहार में 297, अशोक विहार में 287, अया नगर में 183 और हालांकि बवाना में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां एक्यूआई 320 दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक तापमान 7 डिग्री तक गिरेगा, शीतलहर की तैयारी शुरू हो गई है। भारत मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, हवा की दिशा व गति में बदलाव के कारण अगले कुछ दिनों तक हल्का कोहरा और ठंड बढ़ने की संभावना है। 10 से 12 दिसंबर तक नोएडा-गाजियाबाद में तापमान अधिकतमः 23-24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतमः 7-9 डिग्री सेल्सियस पर बने रहने की संभावना है।

शानदार होगा डीटीसी का नया हेडक्वॉर्टर

207 करोड़ में बनेगा, सुविधाएं बनाएंगी खास

नई दिल्ली, एजेंसी। डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) को आईपी डिपो में एक नया मुख्यालय मिलने वाला है। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से एक आधुनिक 12-मंजिला प्रशासनिक परिसर के निर्माण के लिए डीएसआईआईडीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह 207 करोड़ का नया हेडक्वॉर्टर पुराने हो चुके डीटीसी कार्यालय की जगह लेगा, जिसे अब गिरा दिया जाएगा। इस परियोजना में लगभग 200 बसों और 200 से अधिक कारों के लिए पार्किंग, और साथ ही हरा-भरा क्षेत्र भी शामिल है। परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नया कार्यालय दिल्ली के तेजी से विस्तार हो रहे परिवहन नेटवर्क को समर्थन देने के लिए आवश्यक संस्थागत क्षमता प्रदान करेगा। प्रस्तावित भवन 26,016 वर्ग मीटर के परिसर में बनाया जाएगा। वर्तमान कार्यालय डीटीसी की परिचालन जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं है। नए परिसर में जमीन का लगभग 20त्न हिस्सा पर्यावरण-अनुकूल खुले क्षेत्रों के लिए रखा जाएगा। परिवहन मंत्री ने कहा, हम सौर पैनल, एसटीपी, ईटीपी , वर्षा जल संचयन, आरओ प्लांट और अन्य टिकाऊ सुविधाओं से लैस एक आधुनिक मुख्यालय के साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी अतिरिक्त सुविधाओं में से एक पार्किंग क्षमता होगी, जो शहर के सबसे व्यस्त डिपो में से एक पर बेड़े की आवाजाही को सुव्यवस्थित

करेगी। डीएसआईआईडीसी डीटीसी की ओर से इस परियोजना को पूरा करेगा और 30 वर्षों के लिए 50त्न वाणिज्यिक उपयोग के अधिकार अपने पास रखेगा। परिवहन मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार ने इस परियोजना को ढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे हम दिल्ली के परिवहन क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं, अधिक इलेक्ट्रिक बसें ला रहे हैं और डिपो के बुनियादी ढांचे में सुधार कर रहे हैं, यह महत्वपूर्ण है कि हमारी प्रशासनिक प्रणालियां भी उसी गति से चलें। यह मुख्यालय सार्वजनिक परिवहन में एक मजबूत और अधिक जवाबदेह शासन की दिशा में एक कदम है। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना से अंततः रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को लाभ होगा, क्योंकि पीछे के परिचालन में सुधार होगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी और अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों को उतारने में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने कहा, इस परिसर से परिचालन में होने वाली देरी कम होने और रखरखाव की दक्षता बढ़ने की उम्मीद है। आईपी डिपो का यह पुनर्विकास दिल्ली की दीर्घकालिक गतिशीलता की योजना में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

8 महीने में 101 मर्डर

कातिल क्यों बनते जा रहे दिल्ली के छोटे बदमाश?

नई दिल्ली, एजेंसी। हत्या, मर्डर, चोरी-छिनैती जैसे मामलों को पढ़कर आपके जहन में अपराधी कोई बड़ी उम्र का ही आता होगा, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में नाबालिग अब नए अपराधी बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो बीते 8 महीने में नाबालिगों ने कुल 101 खून किए हैं। पढ़ाई और करियर बनाने की उम्र में अपराध का रास्ता अख्तियार कर चुके इन नाबालिगों के मनसूबे वाकई हैरान कर रहे हैं।

पिछले सप्ताह 13 नाबालिगों पर चार जघन्य अपराध करने का आरोप लगा था जिसमें रोहिणी के एक सरकारी स्कूल में एक लड़के के साथ यौन उत्पीड़न, शाकरपुर और वजीराबाद में दो हत्याएं और हजरत निजामुद्दीन के पास एक टैक्सी चालक की हत्या शामिल है

अधिकारी ने यह भी कहा कि नाबालिग नशीली दवाओं के प्रभाव में चोरी और सेंधमारी में भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि नाबालिगों का इस्तेमाल करने वाले गिरोह उन्हें नशीले पदार्थों का लालच देते हैं और फिर उनका उपयोग अपराधों को अंजाम देने के लिए करते हैं।

अधिकारी ने कहा कि गिरोह विशेष रूप से उन युवाओं को निशाना बनाते हैं जो मोटरसाइकिल चलाते हैं, सक्रिय होते हैं, परेशान परिवारों से आते हैं या आर्थिक तंगी का सामना करते हैं। अधिकारी ने बताया, गिरोह को पता है कि पकड़े जाने पर ये नाबालिग, वयस्कों की तुलना में जल्दी छूट जाएंगे। सोशल मीडिया की बढ़ती लत भी अपनी भूमिका निभा रही है, जिसमें कुछ नाबालिग पिस्तौल और चाकू लहराते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके अपने इलाकों में दबदबा बनाने की कोशिश करते हैं।

सर गंगा राम अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार मनोचिकित्सक डॉ. राजीव मेहता के अनुसार, संयुक्त परिवार प्रणाली के कम होने ने ऐसे बच्चों के व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, पहले, बच्चे संयुक्त परिवारों में बड़े होते थे जहां वे अपने चचेरे भाइयों के साथ बाहर खेलते थे, एक साथ नई चीजें सीखते थे और मजबूत, सामूहिक परवरिश से लाभान्वित होते थे।

डॉ. मेहता ने कहा, बच्चों के रास्ता भटकने की गुंजाइश कम थी। समय के साथ, यह संरचना कम हो गई। आज, बच्चों को अक्सर लाड़-प्यार दिया जाता है और उनकी मांगें तुरंत पूरी कर दी जाती हैं। और जब ऐसा नहीं होता, तो कुछ बच्चे अपराध की ओर मुड़ सकते हैं। मेहता ने कहा कि सोशल मीडिया यौन रूप से स्पष्ट सामग्री से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था के दौरान, हार्मोन युवाओं को विपरीत लिंग की ओर आकर्षित करते हैं। ऑनलाइन सामग्री इस धारणा को बढ़ाती है कि हर कोई और हर चीज़ आसानी से सुलभ और अनुमत है। एक अन्य व्यवहार विशेषज्ञ ने बताया कि साथियों का दबाव भी एक बड़ा कारक है। विशेषज्ञ ने कहा कि दोस्त अक्सर अपने यौन अनुभवों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं, जिससे नाबालिगों को यह गलतफहमी हो सकती है कि ये अनुभव कोई उपलब्धि हैं। इन बच्चों में से कई में अपने कार्यों के परिणामों या कानूनी असर को समझने की परिपक्वता की कमी होती है।

गोवा नाइट क्लब के मालिकों ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। इस क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा हादसे के बाद विदेश भाग गए। इंटरपोल ने दोनों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया। इसके बाद अब दोनों ने इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में याचिका दायर की है। वहीं दिल्ली से इस क्लब के मालिकों का तीसरा पार्टनर भी गिरफ्तार हुआ है। गोवा के नाइट क्लब में लगी आग में 25 लोगों की जिंदगी चली गई थी। अब इस मामले में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई तेज हो गई है और एक के बाद एक आरोपी दबोचे जा रहे हैं। बुधवार को गोवा पुलिस की टीम ने दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी क्राइम ब्रांच दफ्तर में बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के चार मालिकों में से एक अजय गुप्ता को पेश किया। अजय गुप्ता दिल्ली का ही रहने वाला है और पुलिस उसे पूछताछ के बाद आज ही कोर्ट में पेश करेगी। हादसे के बाद अजय गुप्ता फरार हो गए थे। उनके खिलाफ पहले से ही लुकआउट सर्कुलर जारी था। जब गोवा पुलिस की टीम उनके दिल्ली वाले घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिले। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। आखिरकार पुलिस ने उन्हें दबोच ही लिया। क्लब के मुख्य मालिक गौरव लुथरा और सौरभ लुथरा तो हादसे के महज दो दिन बाद ही थाईलैंड भाग निकले थे। अब उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। मतलब दुनिया भर की पुलिस अब इन दोनों की तलाश में है।

नमो भारत के रूट में रुकावट बनी पाइपलाइन

दूसरी जगह की जाएगी शिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सराय रोहिल्ला से गुरुग्राम होते हुए बावल तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के संचालन के लिए करीब सवा किलोमीटर लंबी पाइप लाइन स्थानांतरित करनी होगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इस पाइप लाइन से जुड़ी जानकारी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को सौंप दी है।

जीएमडीए की तरफ से तैयार रिपोर्ट के मुताबिक करीब 870 मीटर लंबी सीवर की लाइन नमो भारत ट्रेन के निर्माण के रास्ते में आ रही है। ऐसे में इसका स्थानांतरण आवश्यक है। 1400 एमएम क्षमता की 270 मीटर पाइप लाइन दिल्ली-जयपुर हाईवे पर नेस्ले बिल्डिंग के समीप आ रही है, जोकि करीब छह से सात मीटर गहरी है। 1800 एमएम क्षमता की पाइप लाइन, जिसकी लंबाई करीब 600 मीटर है। यह झाड़सा चौक से राजीव चौक के बीच में है। यह सात मीटर से नौ मीटर गहराई पर दबी

हुई है। शोधित पानी की पाइप लाइन करीब 1085 मीटर है।

इफ्को चौक पर स्टेशन के निर्माण के लिए करीब 200 मीटर पाइप लाइन को स्थानांतरित करना होगा, जोकि 600 एमएम की है। इस तरह इफ्को चौक स्टेशन के प्रवेश और निकासी की जगह पर 700 एमएम क्षमता की 200 मीटर लंबी पेयजल लाइन है। राजीव चौक पर 300 मीटर लंबी पाइप लाइन के स्थानांतरण की जरूरत पड़ेगी, जिसकी क्षमता करीब 1500 एमएम है। इन स्थानों पर पाइप के स्थानांतरण की सबसे अधिक जरूरत है। ये पाइप लाइन सीधे-सीधे नमो भारत ट्रेन के रूट में बाधा बनकर खड़ी हुई हैं।

एनसीआरटीसी ने दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर गुरुग्राम होते हुए बावल तक दिल्ली-जयपुर हाईवे के साथ-साथ नमो भारत ट्रेन के संचालन की योजना है। इसके तहत दिल्ली में सराय रोहिल्ला, आईएनए, मुनिरका, एयरो सिटी के बाद गुरुग्राम में साइबर सिटी, इफ्को चौक, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पचगांव, बिलासपुर, रेवाड़ी में धारूहेड़ा, रेवाड़ी और बावल में स्टेशन का निर्माण होगा। इफ्को चौक पर गुरुग्राम से फरीदाबाद होते हुए ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन का इंटरचेंज स्टेशन बनेगा।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की शर्मनाक करतूत, इमरान खान पर किया सवाल तो महिला रिपोर्टर को मारी आंख

इस्लामाबाद, एजेंसी। । पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की शर्मनाक करतूत सामने आई है। महिला पत्रकार अबसा कोमन ने जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में सवाल किया था तो जनरल अहमद ने उन्हें आंख मारी। इसके बाद उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेस ब्रीफिंग के वीडियो में पत्रकार खान पर लगे आरोपों के बारे में उनसे सवाल पूछती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, यह पहले से कैसे अलग है, या क्या हमें भविष्य में किसी डेवलपमेंट की उम्मीद करनी चाहिए?

महिला पत्रकार को मारी आंखः चौधरी ने जवाब देते हुए कहा, और एक चौथा पॉइंट और जोड़ लीजिएः वह एक जेहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी है।

फिर वह मुस्कुराए और पत्रकार को आंख मारी। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, यह सब कैमरे के सामने खुलेआम हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया है। पीएम एक कठपुतली हैं। जबकि दूसरे ने लिखा, एक देश का मीम।

शुक्रवार को चौधरी ने खान को नार्सिसिस्ट कहा, जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं तो और कुछ भी नहीं होना चाहिए। हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। चौधरी ने कहा कि जो लोग जेल में खान से मिल रहे हैं, उनका इस्तेमाल सेना के खिलाफ जहर फैलाने के लिए किया जा रहा है। चौधरी ने खान पर सेना के प्रति दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम किसी को भी पाकिस्तान की सेना और उसके लोगों के बीच दरार पैदा नहीं करने देंगे। उन्होंने सेना के उस पुराने आरोप को भी दोहराया जिसमें खान को 9 मई, 2023 को मिलिट्री ठिकानों, जिसमें रावलपिंडी हेडक्वार्टर भी शामिल है, पर हुए हमलों से जोड़ा गया था। उन्होंने कहा, क्या यह वही व्यक्ति नहीं था जिसने उन हमलों की साजिश रची थी?

गाज़ा विवाद के बाद बड़ा फैसला: बोलीविया फिर जोड़ेगा इज़राइल संग संबंध, वॉशिंगटन में मुलाक़ात तय

यरूसलम, एजेंसी। बोलीविया की नयी दक्षिणपंथी सरकार ने अपने देश में जारी नाटकीय भू-राजनीतिक पुनर्गठन का ताजा संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि वह इजराइल के साथ राजनयिक संबंध बहाल करेगी। बोलीविया फलस्तीनियों के प्रति इजराइली नीतियों के कभी सबसे मुखर आलोचकों में से एक था। बोलीवियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके शीर्ष राजनयिक मंगलवार को वाशिंगटन में अपने इजराइली समकक्ष से मुलाकात करेंगे ताकि द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर चर्चा की जा सके।

इस संबंधों को बोलीविया की पूर्व वामपंथी सरकार ने गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के आक्रमण के कारण दो साल पहले समाप्त कर दिया था। बोलीविया ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के नेतृत्व में नयी विदेश नीति की रणनीति के तहत उठाया गया है जिसका उद्देश्य ''बोलीविया की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का पुनर्निर्माण करना, नए आर्थिक अवसर खोलना और ऐसे गठबंधनों को मजबूत करना है जो देश एवं विदेशों में हमारे नागरिकों को सीधे तौर पर लाभान्वित करें।

दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होंगे, सरकार ने दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने एक बार फिर मोहल्ला क्लीनिकों पर बड़ा फैसला लिया है। नए आदेश के तहत शहर में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए जाएंगे। ये सभी क्लीनिक नए खोले जा रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से एक किलोमीटर के दायरे में हैं। दिल्ली में अगस्त में 31 मोहल्ला क्लीनिक बंद हुए थे, जो पोर्टा केबिन और किराए के भवनों में चल रहे थे। इसके बाद अक्टूबर में 121 क्लीनिकों को बंद करने का आदेश आया था। वहीं अब 95 और मोहल्ला क्लिनिक बंद होंगे। कुल मिलाकर अब तक 247 मोहल्ला क्लीनिक या तो बंद हो चुके हैं या होने वाले हैं। 2015 में आम आदमी पार्टी ने मोहल्ला क्लीनिक शुरू किए थे ताकि गरीब से गरीब को मुफ्त और पास में इलाज मिले। लेकिन इसी साल मार्च में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा था कि करीब 250 मोहल्ला क्लीनिक सिर्फ कागजों पर हैं। किराए की रकम का दुरुपयोग हो रहा है। इन्हें जल्द बंद कर दिया जाएगा। मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता दरबार में साफ कहा था कि सभी कर्मचारियों को बिना इंटरव्यू के आरोग्य मंदिरों में समायोजित कर लिया जाएगा।

एप्पल एक फोन कवर से जितना कमाएगा, उतना दुनिया की कोई एयरलाइंस एक यात्री से नहीं; आईएटीए चीफ का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आईएटीए चीफ के अनुसार, दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से उतना मुनाफा नहीं कमा सकती, जितना एप्पल अकेले अपना एक आईफोन केस बेचकर कमाई कर लेता है।

दरअसल, आईएटीए के महानिदेशक विली वाल्श ने मंगलवार को 2026 के वैश्विक एविएशन आउटलुक के दौरान कहा कि दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से सिर्फ 7.90 अमेरिकी डॉलर (लगभग 670 रुपये) का शुद्ध मुनाफा कमा पाएंगी, जबकि एप्पल अकेले अपने आईफोन केस बेचकर उससे कहीं ज्यादा कमाई कर

लेगा।

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) दुनिया भर में लगभग 360 वाहकों का प्रतिनिधित्व करता है। आईएटीए ने मंगलवार को 2026 के लिए उद्योग के वित्तीय दृष्टिकोण की घोषणा की। आईएटीए ने अनुमान जताया है कि 2026 में पूरी एयरलाइन इंडस्ट्री का कुल शुद्ध लाभ सिर्फ 41 अरब डॉलर रहेगा, यानी प्रति यात्री मुनाफा महज 7.90 डॉलर ही कमा पाएगा।

आईएटीए के प्रमुख विली वाल्श ने मंगलवार को कहा कि ऐप्पल अगले साल प्रति यात्री एयरलाइंस द्वारा अर्जित किए जाने वाले 7.90 अमेरिकी डॉलर के मुनाफे से कहीं अधिक आईफोन कवर बेचकर कमाई करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग-स्तरीय मार्जिन अभी भी बहुत कम है, यह देखते हुए कि एयरलाइन्स लोगों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर जो मूल्य सृजित करती हैं। वे उस मूल्य श्रृंखला के मूल में हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 4 प्रतिशत का आधार है और 87 मिलियन नौकरियों का समर्थन करती है। गौरतलब है कि वैश्विक एयरलाइन उद्योग विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनमें आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं, विमान वितरण में देरी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं शामिल हैं। आईएटीए के अनुसार, ईंधन दक्षता में वृद्धि केवल 1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं बेड़े के नवीनीकरण में बाधा डाल रही हैं।

एच-1बी वीजा आवेदन के लिए अमेरिका ने दिया नया अपडेट, भारतीयों पर होगा असर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा इमिग्रेशन नियमों को सख्त करने के बाद अब तक 85,000 वीजा रद्द किए गए हैं। स्टेट डिपार्टमेंट ने ङ्क पर पोस्ट कर बताया कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा कैंसिल किए गए हैं, जो इमिग्रेशन एनफोर्समेंट और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के बढ़ते सख्ती को दिखाता है। दरअसल, स्टेट डिपार्टमेंट ने एक पोस्ट पर लिखा कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा रद्द किए गए हैं। जिनमें 8,000 से ज्यादा छात्र शामिल हैं, जो पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इस मैसेज ने सख्त इमिग्रेशन निगरानी के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के लगातार कमिटमेंट को दिखाया। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रेसिडेंट ट्रंप और सेक्रेटरी रुबियो इस नियमों को लेकर रुकने वाले नहीं हैं। स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा की गई इस पोस्ट के साथ राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की एक तस्वीर भी थी जिस पर लिखा था मेक अमेरिका सेफ अगेन, यह एडमिनिस्ट्रेशन के इस तर्क को और मजबूत करता है कि सख्त वीजा रेगुलेशन नेशनल सिक्योरिटी की कोशिशों के लिए जरूरी है।एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि रद्द किए गए वीजा में से 8 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स के थे। नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और हमला जैसे अपराध रद्दीकरण के प्रमुख कारण बताए गए, जो पिछले साल के लगभग आधे कैंसलेशन का हिस्सा थे।इसके अलावा कुछ वीजा वीजा-एक्सपायरी, आतंकवाद के समर्थन से जुड़ी जांच और अन्य गंभीर कारणों से भी रद्द किए गए।

संपादकीय

इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है। गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है।

खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है।

किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी। निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती

है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने की जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?

गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे के बाद गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है।

सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! अव्वल तो समूचा ढांचा ऐसा तैयार होना चाहिए, जिसमें कोई सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बड़े हादसे में तब्दील न हो। दूसरे, किसी भी वजह से आग लगने की आशंका के मद्देनजर हर स्तर पर बचाव के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि उस पर तुरंत काबू पाया जा सके।

यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी इमारतों तक अग्नि शमन सेवा के वाहनों की आसान पहुंच हो। कई बार आग व्यापक तबाही का कारण इसलिए बनती है कि उस पर काबू पाने के उपाय अपर्याप्त होते हैं, लोगों के बाहर भागने और अग्नि शमन वाहनों के घटनास्थल पहुंचने का रास्ता संकरा या बाधित होता है।

हादसे और उसमें लोगों की मौत के बाद सरकार तथा प्रशासन की ओर से कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई और हताहतों या उनके परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की औपचारिकता जरूर पूरी की जाती है, लेकिन नियम-कायदों पर अमल को लेकर अगर प्रशासनिक सक्रियता सामान्य दिनों में भी कायम रहे तो शायद कई त्रासदियों से बचा जा सकता है।

शान दिखाने का जरिया बना जानलेवा जश्न, आखिर क्यों नहीं लग पा रही रोक?

शादी समारोहों या जश्न के दौरान खुशी का इजहार करने के लिए हथियारों का प्रदर्शन और गोली चलाने की बढ़ती मानसिकता न केवल सामाजिक स्तर पर भय का वातावरण बना रही है, बल्कि इससे अपराध का एक नया रूप भी उभर कर सामने आ रहा है। खुशी की इस तथाकथित अभिव्यक्ति से आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हाल ही में विवाह समारोह के दौरान ऐसी ही एक घटना में दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और जश्न का माहौल अचानक मातम में बदल गया। सवाल है कि इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों पर आखिर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? पुलिस भी तभी कार्रवाई करती नजर आती है, जब जश्न में गोली चलने से किसी की मौत हो जाती है। अगर कोई अनहोनी न हो, तो समारोह में उत्साह और प्रसन्नता दिखाने के लिए गोली चलाने को आमतौर पर सामान्य माना जाता है। इसी लापरवाही का नतीजा है कि इस तरह की घटनाओं में जान जाने का जोखिम हमेशा बना रहता है। दरअसल, विवाह समारोहों और अन्य निजी कार्यक्रमों में हथियारों का प्रदर्शन तथा हवा में गोली चलाने का चलन अपनी शान दिखाने का जरिया बन गया है। सामाजिक और मानवीय पहलू से इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि समारोह के आयोजकों की ओर से अपने रिश्तेदारों और संबंधियों को अपने साथ हथियार लाने की अनुमति देना क्या उचित है। जबकि खुशी में गोली चलाने से किसी की मौत हो जाने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। शस्त्र (संशोधन) अधिनियम 2019 के मुताबिक, सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक स्थलों, शादियों या किसी अन्य कार्यक्रम में गोला-बारूद और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद अगर इनका बेरोकटोक इस्तेमाल हो रहा है, तो इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है। यह सुनिश्चित करना पुलिस का कर्तव्य है कि लाइसेंसी हथियार का कहीं बेजा इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है। अब समय आ गया है कि हथियार लाइसेंस की प्रक्रिया को भी कड़ा किया जाए और इसका दुरुपयोग रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाए।

आज का कार्टून

देश में कपास किसानों की बढ़ती चुनौतियां अमेरिका को भारत में नजर आ रहा बाजार

भारत में कपास की खेती मुख्यतः लगभग 99 फीसद खरीफ फसल के रूप में होती है, जबकि तमिलनाडु और उसके आसपास के दूसरे राज्यों के कुछ हिस्सों में यह रबी की फसल है। भारत में लगभग साठ लाख किसान परिवार कपास की खेती से अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अतिरिक्त 4-5 करोड़ दूसरे लोग भी इसके व्यापार से जुड़े हैं। यहां पिछले वर्ष कुल 114.47 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन पर कपास की खेती की गई, जो पूरी दुनिया में कपास की खेती के रकबे 314.79 लाख हेक्टेयर का 36.36 फीसद है। रकबे के लिहाज से भारत पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है और उत्पादन के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। मगर यहां प्रति हेक्टेयर कपास की पैदावार (437 किग्रा प्रति हेक्टेयर) विश्व की औसत पैदावार (833 किग्रा प्रति हेक्टेयर) से काफी कम है।

आरके विश्वकर्मा

भारत में कच्चे कपास के आयात पर पहले पांच फीसद मूल सीमा शुल्क, पांच फीसद कृषि अवसंरचना और विकास उपकर तथा इन दोनों पर दस फीसद सामाजिक कल्याण अधिभार, यानी कुल मिलाकर ग्यारह फीसद का सीमा शुल्क लगता था। फरवरी, 2021 में किसान आंदोलन के बाद देश के कपास किसानों के हित को ध्यान में रख कर यह शुल्क लगाया गया था। मगर अब सरकार ने कपड़ा उद्योग की मांग पर कच्चे कपास के आयात पर सभी सीमा शुल्क में 19 अगस्त, 2025 से छूट दे दी है।

इस फैसले की सराहना देश के कपड़ा उद्योग ने तो की ही, अमेरिकी कृषि विभाग ने भी बाकायदा बयान जारी करके इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कपास का भारत में निर्यात बढ़ेगा। इस निर्णय से भले ही अमेरिका को फायदा हो, लेकिन देश के किसान इससे आहत हैं।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआइ) के मुताबिक, आयात शुल्क में इस छूट का सबसे बड़ा लाभ निश्चित तौर पर अमेरिका को ही होने वाला है। भारत को कपास निर्यात करने वाला अमेरिका सबसे बड़ा देश है, और वहा कपास की नई फसल बाजार में जुलाई-अगस्त से आनी शुरू हो जाती है।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आयात शुल्क उस वक्त खत्म किया गया, जब भारतीय किसानों के कपास की नई उपज बाजार में आने ही वाली थी। देश में कपास की फसल अक्तूबर से सितंबर तक होती है। इसी दौरान किसानों को कपास के अच्छे दाम मिलने की उम्मीद होती है। अब विदेश से बड़े पैमाने पर कपास आने से घरेलू कपास की कीमतें गिर जाएंगी।

सीमा शुल्क में छूट की अधिसूचना जारी होने के दिन भारतीय कपास निगम यानी 'काटन कार्पोरेशन आफ इंडिया' (सीसीआइ) ने कपास की कीमत 600 रुपए प्रति कैंडी (एक कैंडी- 356 किग्रा) कम कर दी और उसके दूसरे दिन फिर 500 रुपए प्रति कैंडी कम कर दी। इस तरह महज दस दिनों के भीतर ही कपास के न्यूनतम मूल्य में कुल 1700 रुपए प्रति कैंडी की कमी खुद सरकार की ओर से की गई।

अमेरिका की बात की जाए, तो कपास उत्पादन में वह दुनिया में तीसरे स्थान पर है, लेकिन इसकी घरेलू खपत वहां बहुत कम है। कुल उत्पादन का लगभग 85 फीसद कपास वह निर्यात करता है। पहले अमेरिकी कपास का सबसे बड़ा आयातक चीन था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति के कारण चीन वहां से कपास का आयात कम करता जा रहा है। इसलिए अमेरिका को एक वैकल्पिक बाजार की तलाश थी, जो उसे भारत में नजर आ रहा है।

हालांकि, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक देश है और यहां घरेलू खपत कुल उत्पादन का औसतन 95 फीसद है। मगर यहां उच्च गुणवत्ता वाले

या ज्यादा लंबे रेशे वाले कपास (ईएलएस) की पैदावार कम होती है और उसकी जरूरत को आयात के जरिए पूरा किया जाता है।

अमेरिकी कृषि व्यापार निकाय काटन काउंसिल इंटरनेशनल (सीसीआइ) तो इस शुल्क को हटाने की मांग लंबे समय से कर रहा था। दरअसल, उच्च गुणवत्ता वाले या अति लंबे रेशे के कपास के आयात पर से ग्यारह फीसद शुल्क सरकार ने 20 फरवरी, 2024 से समाप्त कर दिया है, लेकिन इससे छोटे रेशे के कपास आयात पर शुल्क जारी था, जिसे इस वर्ष अगस्त में खत्म किया गया।

इस कदम से सरकार अमेरिकी शुल्क की मार से भारतीय वस्त्र निर्यातकों के मुनाफे को तो कुछ हद तक सुरक्षित कर लेगी, लेकिन इसका खमियाजा देश के किसानों को भुगतना पड़ेगा। खासकर तब जब किसानों की आय दोगुनी करने का जोर-शोर से दावा किया जा रहा है।

कपास से सीमा शुल्क हटाने को लेकर जारी बयान में कपड़ा निर्माताओं और उपभोक्ताओं के हितों की बात तो कही गई थी, लेकिन कपास किसानों का जिक्र करना सरकार भूल गई। दूसरी बार जारी बयान में कहा गया कि भारतीय कपास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा की जाती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि किसानों को उनकी उत्पादन लागत से कम से कम पचास फीसद अधिक मूल्य प्राप्त हो।

न्यूनतम समर्थन मूल्य किसान की उपज का वह मूल्य है, जिसका निर्धारण सरकार इसलिए करती है कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार किसानों से कपास खुद खरीदती है। अब यहां दो बाते हैं: पहली यह कि सरकार कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना तय करती है और दूसरी यह कि इस मूल्य पर सरकार किसानों से कितना कपास खरीदती है!

सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण ए-2 एफएल फार्मूले के आधार पर करती है। इसके अनुसार, मध्यम रेशे के कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य वर्ष 2024-25 के लिए 7,121 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। मगर किसान संगठनों की मांग है कि यह सी-2 फार्मूले के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जिसके अनुसार यह मूल्य 10,075 रुपए प्रति कुंतल होना चाहिए। मालूम हो कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण के लिए सी-2 का फार्मूला डा एमएस स्वामीनाथन ने सुझाया था।

भारत में कपास की खेती मुख्यतः लगभग 99 फीसद खरीफ फसल के रूप में होती है, जबकि तमिलनाडु और उसके आसपास के दूसरे राज्यों के कुछ हिस्सों में यह रबी की फसल है। भारत में लगभग साठ लाख किसान परिवार कपास की खेती से अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अतिरिक्त 4-5 करोड़ दूसरे लोग भी इसके व्यापार से जुड़े हैं।

यहां पिछले वर्ष कुल 114.47 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन पर कपास की खेती की गई, जो पूरी दुनिया में कपास की खेती के रकबे 314.79 लाख हेक्टेयर का 36.36 फीसद है। रकबे के लिहाज से भारत पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है और उत्पादन के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। मगर यहां प्रति हेक्टेयर कपास की पैदावार (437 किग्रा प्रति हेक्टेयर) विश्व की औसत पैदावार (833 किग्रा प्रति हेक्टेयर) से काफी कम है।

पिछले दस वर्षों में सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास की खरीद पर कुल 1,17,348.13 करोड़ खर्च किए। यह एक निवेश की तरह है, सीसीआइ किसानों से कपास खरीद कर इसे बाजार में बेचती है। मगर किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

इस साल के पहले तीन माह में महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के करीब 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। बीते दशक में कपास का कुल उत्पादन 3370.72 लाख गांठें (एक गांठ-170 किग्रा) रहा और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कुल खरीद मात्र 380.58 लाख गांठें।

दुनिया में क्यों मची हथियारों की होड़...

दुनिया के सबसे धनी उद्यमी एलन मस्क ने हाल ही में यह भविष्यवाणी की है कि अगले दस वर्षों के भीतर तीसरा विश्व-युद्ध छिड़ सकता है। जाहिर है, यह बेहद चिंता की बात है और स्वाभाविक ही इस पर जबर्दस्त बहस भी शुरू हो गई है। मस्क के इस बयान से एक बुनियादी सवाल उठ खड़ा हुआ है कि हथियारों की बिक्री में जो भारी उछाल आई है, कहीं वह दुनिया को एक भयानक युद्ध की ओर तो नहीं ले जा रही?

जी जी द्विवेदी

दरअसल, यह सवाल 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक डाटा से पैदा हुआ है। इस डाटा के मुताबिक, संसार की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों द्वारा हथियारों व सैन्य उपकरणों की बिक्री से प्राप्त होने वाले राजस्व में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह राशि 670 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हथियारों की बिक्री से होने वाली यह कमाई बिक्री में रुकावटों, महंगाई और औद्योगिक मंदी के बावजूद हुई है। हथियारों की बिक्री का आलम यह है कि साल 2024 में दुनिया की शीर्ष 100 हथियार कंपनियों में शामिल अमेरिका की 43 कंपनियों का कुल राजस्व 3.8 प्रतिशत बढ़कर 334 अरब डॉलर हो गया। इनमें लॉकहीड मार्टिन, नॉर्थरोप, ग्रुम्मन और जनरल डायनेमिक्स आदि शामिल हैं। रूस को छोड़ दें, तो शेष यूरोप की 26 हथियार कंपनियों में से 23 ने हथियारों के राजस्व में 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और उनका राजस्व 151 अरब डॉलर पहुंच गया। हथियारों की बिक्री असल में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के साथ नाटो देशों को कथित धमकी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत तमाम संघर्षरत देशों के कारण बढ़ी है। केवल एशिया और ओशिनिया ने 2024 में शीर्ष 100 कंपनियों से हथियारों की कम खरीद की। इनकी खरीदारी साल 2023 की तुलना में 1.2 प्रतिशत घटकर 130 अरब डॉलर रही। शीर्ष की दो रूसी कंपनियों- रोस्टेक और यूनाइटेड

शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन्स ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण कल-पुर्जों की कमी के बावजूद 23 प्रतिशत की वृद्धि करके अपने संयुक्त राजस्व को 31.2 अरब डॉलर कर लिया। जापानी और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने यूरोप और अपनी घरेलू मांगों की वजह से बढ़त को जारी रखा है। शीर्ष में शामिल जापान की पांच कंपनियों ने अपना राजस्व बढ़ाकर 13.3 अरब डॉलर और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने 14.1 अरब डॉलर कर लिया है। इसी तरह, पश्चिम एशिया की कंपनियों का कुल राजस्व 31 अरब डॉलर रहा, वहीं तीन इजरायली कंपनियों ने 16.2 अरब डॉलर का राजस्व कमाया। इनमें तीन भारतीय कंपनियों ने पहली बार घरेलू मांग की वजह से अपने कुल हथियार राजस्व को 8.2 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 अरब डॉलर कर लिया। साफ है, दुनिया भर की सरकारें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश में ज्यादा हथियार खरीद रही हैं। वे अपने खत्म हो चुके हथियार भंडार को फिर से भर रही हैं और आपातकालीन तैयारी के तौर पर ऐसी खरीदी कर रही हैं, जिनके बारे में हाल तक सोचा भी नहीं गया था। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध ने तोप के गोलों, ड्रोन, प्रिसिजन मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम की भारी मांग पैदा कर दी है। गाजा पर इजरायली हमलों ने भी अनावश्यक हथियारों व युद्धक सामानों की मांग बढ़ा दी है।

साउथ चाइना-सी और ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव की वजह से जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें, पनडुब्बियां और अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। इतिहास पर गौर करें, तो हथियार जमा करने की प्रवृत्ति बड़े संघर्षों से पहले दिखी है। अर्थात, 1914 से पहले, फिर 1930 के दशक में और शीत युद्ध के अंतिम दौर में। मस्क की भविष्यवाणी इसी आलोक में लगती है। हो भी क्यों न। जब बड़ी ताकतें एक ही समय में अपनी-अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण करती हैं, तो गलत अंदाजा लगाया जाना स्वाभाविक है। हालांकि, हथियारों की बिक्री में बढ़ोतरी तीसरे विश्व युद्ध की उल्टी गिनती का संकेत नहीं है। यहां सबसे बड़ा अंतर इरादे में है। इस समय हो रही ज्यादातर हथियार-खरीद रक्षात्मक है, आक्रामक नहीं। यूरोपीय देश रूस के साथ युद्ध शुरू करने के लिए नहीं, बल्कि मॉस्को को किसी भी गलत कदम से रोकने के लिए हथियार खरीद रहे हैं। इसी तरह, हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देश चीन से युद्ध नहीं चाहते, बल्कि बीजिंग को ताइवान या साउथ चाइना-सी में एकतरफा कार्रवाई से रोकना चाहते हैं। इसके अलावा, परमाणु हथियार बड़ी ताकतों के लिए लड़ाई रोकने का बड़ा जरिया बना हुआ है।

यह सही है कि इससे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। जब पारंपरिक लड़ाइयां बढ़ेंगी, तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका भी बनी रहेगी। यूक्रेन-रूस और गाजा-हमास की लड़ाई में कूटनीति बहुत कारगर साबित नहीं हो पा रही है और छद्म संघर्षों का खतरा बना हुआ है। ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइल, लंबी दूरी के मारक हथियार और 'एआई-इनेबल्ड सर्विलांस' जैसे अत्याधुनिक हथियारों का तेजी से इस्तेमाल खतरे को गंभीर बनाता है। रक्षा उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है और सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि देश किसी लड़ाई की चेतावनी मिलते ही तुरंत कार्रवाई कर सकने में सक्षम हों। संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं के कमजोर पड़ने के साथ बड़ी ताकतों की बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा ने बहुपक्षीय कूटनीति में एक बिखराव पैदा किया है, जिससे संघर्ष को टालने की प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

ऐसे में, हथियारों की बिक्री में तेजी से खतरा तो बढ़ा है, मगर इससे जंग छिड़ जाए, यह जरूरी नहीं है। विभिन्न देशों द्वारा हथियारों की खरीद आसन्न खतरे से बचने, आधुनिकीकरण और अपनी क्षमता को मजबूत करने के लिए है। असल खतरा किसी एक देश से नहीं, बल्कि कई देशों के एक साथ फिर से हथियार जमा करने में है। एक ऐसी दुनिया में, जहां भरोसा कम हो रहा है और संकट कूटनीतिक संवाद के दायरे से बड़े होते जा रहे हैं, पहले से ज्यादा असरदार संकट प्रबंधन की जरूरत है। ऐसे में, मस्क की भविष्यवाणी को एक संकेत के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि कई तरह की अवांछित गतिविधियों के साथ बिगड़ते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में हथियारों का निर्माण तेजी से हो रहा है। हथियारों की बिक्री में बढ़ोतरी गहरी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और बदलते शक्ति-संतुलन का लक्षण है। भविष्य के विश्व-युद्ध का फैसला न सिर्फ बनाए जा रहे हथियारों और हार्डवेयर से होगा, बल्कि उस समय के नेताओं के फैसलों पर भी निर्भर करेगा।

विजय शंकर आईपीएल 2026 की नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्यों हिस्सा लेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए मिनी-नीलामी 16 दिसंबर को अबुधाबी में होनी है। बीसीसीआई ने नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बोर्ड की सूची के मुताबिक ऑलराउंडर विजय शंकर मिनी नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेंगे। आप सोच रहे होंगे कि भारतीय टीम के लिए खेल चुके विजय शंकर अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में कैसे हिस्सा लेंगे।

दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियम के मुताबिक अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए पिछले पांच साल में किसी भी फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है, तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा और वह नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेगा। इसी नियम के तहत विजय शंकर नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। भारतीय टीम के लिए 12 वनडे और 9 टी20 खेल चुके विजय शंकर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 27 जून 2019 को खेला था। यह मैच पांच साल पहले खेला गया था। ऐसे में बीसीसीआई का अनकैप्ड वाला नियम विजय शंकर पर लागू होता है। विजय शंकर पिछले सीजन सीएसके का हिस्सा थे। चेन्नई ने उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में 1.2 करोड़ रुपये में साइन किया था। विजय का प्रदर्शन साधारण रहा था। पांच पारियों में वह केवल 118 रन बना पाए। सीएसके मिनी नीलामी में नई टीम बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से सीएसके ने विजय को रिटेन नहीं किया। देखना होगा कि नीलामी में यह ऑलराउंडर किस टीम के साथ जुड़ता है। इसी नियम के तहत पिछले सीजन सीएसके ने एमएस धोनी को भी रिटेन किया था। 2014 से आईपीएल खेल रहे विजय शंकर अब तक 78 मैचों में 7 अर्धशतक की मदद से 1,233 रन बना चुके हैं। उनका शीर्ष स्कोर नाबाद 69 रहा है। 2023 उनका श्रेष्ठ सीजन रहा था। गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहते हुए 14 मैचों में उन्होंने 301 रन बनाए थे। विजय 9 विकेट भी ले चुके हैं।

शतरंज ग्रैंड स्लैम

पहले दिन छा गए सिंदारोव और अर्जुन दोनों नें कार्लसन को दी मात

कैपटाउन, एजेंसी। अफ्रीका महाद्वीप में पहली बार विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच फ़्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम का मुकाबला खेला जा रहा है और पहले दिन तय कार्यक्रम के अनुसार राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए रैपिड मुकाबलों के सात चरण के बाद अभी अभी गोवा में विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव और भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी नें लाजबाब प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 3 में अपनी जगह बना ली है । पहले स्थान पर रहे सिंदारोव : विश्व कप 2025 गोवा के विजेता 19 वर्षीय सिंदारोव जावोखीर का कॉन्फ़िडेंस देखने लायक था और उन्होंने पहले ही राउंड में कार्लसन को मात देते अपना अभियान आरम्भ किया उन्होंने सिर्फ़ भारत के अर्जुन एरिगैसी , जर्मनी के विंस्नेट केमर और यूएसए के लेवान अरोनियन से ड्रा खेला और बाक़ी तीन बाज़ियों में जीत दर्ज की । सिंदारोव नें 5.5 अंक बनाकर पहला और लेवान अरोनियन नें 5 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया वहीं अभी अभी येरुशलम मास्टर्स जीतने वाले अर्जुन नें शुरुआत तो अच्छी नहीं की और यूएसए के नीमन हंस से ड्रा , लेवान अरोनियन से हार और सिंदरोव से ड्रा के बाद वह तीन राउंड के बाद एक अंक पर थे पर उसके बाद उन्होंने लगातार तीन बाज़ियों में विंस्नेट केमर , मैग्नस कार्लसन और ईरान के परहम मघसदूलू को पराजित करते हुए बेहतरीन वापसी की और अंतिम राउंड कारूआना से ड्रा खेलते हुए दिन का अंत 4.5 अंक बनकर तीसरे स्थान पर किया ।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20

संजू सैमसन बाहर; दूसरे टी20 के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक और गिल ही रहेंगे ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 11 दिसंबर गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद 101 रन से शानदार जीत दर्ज कर ली। सीरीज में टीम इंडिया 1-0 की बढ़त बना चुकी है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में प्लेइंग 11 में कुछ खास बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं।

पहले टी20 में भारतीय टीम की पारी शुरू में बिखरती दिख रही थी। 11.4 ओवर में 78 रन पर चार विकेट थे। स्कोर भी धीमा था और विकेट भी ज्यादा थे। उसके बाद हार्दिक पंड्या की 28 गेंद पर 59 रन की पारी ने मैच की तस्वीर बदल दी। भारत ने 176 रन का अफ्रीका को लक्ष्य दिया और मेहमान टीम 74 रन पर ही ढेर हो गई।

संजू सैमसन रहेंगे बाहर?

हालांकि जीत के बावजूद पहले टी20 मैच में शुभमन गिल एक बार फिर से फ्लाप रहे थे और सवाल यही उठ रहा था कि बार-बार उनके कारण संजू सैमसन को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। क्योंकि, संजू सैमसन का बतौर ओपनर टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अब जितेश शर्मा के बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरने के बाद बतौर विकेटकीपर भी सैमसन की जगह प्लेइंग 11 में नहीं बन पा रही है। दूसरे टी20 में भी कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने विनिंग कॉम्बिनेशन को शायद छेड़ना नहीं चाहेंगे। यानी इस मैच में भी संजू सैमसन का खेलना मुश्किल लग रहा है। वहीं ओपनिंग एक बार फिर से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे। बाकी नंबर 3, 4, 5,6 में खास बदलाव संभव नहीं लग रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया न्यू चंडीगढ़ में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है।

जमशेदपुर में पहली बार ट्रांसजेंडर फुटबॉल लीग का आयोजन

कोलकाता दौड़ में 23000 धावक भाग लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय फुटबॉल में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के तहत सात ट्रांसजेंडर टीमों ने जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) के तहत रविवार को एक विशेष टूर्नामेंट की शुरुआत की। जमशेदपुर एफटी, चाईबासा एफसी, चक्रधरपुर एफसी, जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी, नोआमुंडी एफसी, सरायकेला एफसी और कोल्हान टाइगर एफसी की पांच-पांच खिलाड़ियों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं।

शुरुआत में ट्रांसजेंडर्स लीग में केवल चार टीमें ही प्रतिस्पर्धा करने वाली थीं, लेकिन बाद में तीन और टीमें इसमें शामिल कर ली गईं। यह टूर्नामेंट जमशेदपुर सुपर लीग का एक हिस्सा है, जिसमें आयु-वर्ग लीग जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी होती हैं। जमशेदपुर एफटी ने ट्रांसजेंडर लीग के शुरुआती दिन उद्घाटन मैच में चाईबासा एफसी को 7-0 से जबकि कोल्हान टाइगर एफसी ने चक्रधरपुर एफसी को 3-0 से हराया। जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी और नोआमुंडी एफसी के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ खेला गया। जमशेदपुर एफटी के लिए चार गोल करने वाली पूजा सोय ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर खुद की पहचान बनने पर खुशी जताते हुए ने कहा, ''फुटबॉल एक बहुत ही खूबसूरत खेल है। पहली बार मुझे ऐसा लगा कि मुझे मेरे लिंग के लिए नहीं बल्कि मेरे खेल के लिए देखा जा रहा है।'' इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास आयोजित मैराथन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया- जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित की गई मैराथन में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। भीमबेर गली ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर राहुल कुमार ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और युवाओं को फिटनेस को जीवन शैली के रूप में अपनाने और सशस्त्र बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

कोलकाता दौड़ में ओलंपिक और विश्व चैंपियन सहित 23000 धावक भाग लेंगे

दो बार के ओलंपिक और तीन बार के विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी सहित दुनिया भर के 23000 से अधिक धावक 21 दिसंबर को यहां होने वाली 10वीं टाटा स्टील वर्ल्ड 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता दौड़ में भाग लेंगे। युगांडा के चेप्टेगी और महिला वर्ग में गत चैंपियन सुतूम असेफा केबेडे इस दौड़ का मुख्य आकर्षण होंगे जिसे विश्व एथलेटिक्स की तरफ से गोल्ड लेबल रोड रेस का दर्जा हासिल है।

प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने भी इस बार 1:11:08 (एक घंटा, 11 मिनट, 08 सेकंड) का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले किसी भी एथलीट को 25,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की घोषणा की है। इस दौड़ की कुल पुरस्कार राशि 142,214 डॉलर है, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं के लिए बराबर की पुरस्कार राशि रखी गई है। शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 15,000 डॉलर, 10,000 डॉलर और 7,000 डॉलर का इनाम मिलेगा। प्रतियोगिता का नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ियों को 5,000 डॉलर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। चेप्टेगी (29 वर्ष) ने 10,000 मीटर में लगातार तीन विश्व खिताब जीते हैं और उनके नाम चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं।

पिछले वर्ष दिल्ली हाफ मैराथन और इस वर्ष बेंगलुरु में आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के (10किमी) के विजेता चेप्टेगी के नाम पर अब भी 5000 किमी और 10000 किमी के विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। पुरुषों की सूची में एक और महत्वपूर्ण खिलाड़ी तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिम्बू भी शामिल हैं। सितंबर में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में मैराथन में जीत हासिल करने वाले सिम्बू कोलकाता में चेप्टेगी को कड़ी चुनौती देंगे। महिला वर्ग में इथियोपिया की स्टार सुतूम असेफा केबेडे ने पहली बार 2015 में बर्लिन में 25 किलोमीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। वह यहां खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेंगी।

आईपीएल 2025 ऑक्शन

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब इस छोटे खिलाड़ी की ऑक्शन में एंट्री, इतनी कम है उम्र

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन में बिकने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी है. वैभव सूर्यवंशी को पिछले सीजन के ऑक्शन में बिके थे. अब उनके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में भी एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी उम्र कोई ज्यादा नहीं है. बल्कि, वो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी है. हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, उसका नाम वहीदुल्लाह जादरान है.

अफगानिस्तान का ये क्रिकेटर 16 दिसंबर 2025 को होने वाले आईपीएल ऑक्शन में सबसे युवा चेहरा होगा.

आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे छोटा खिलाड़ी- अब सवाल है कि वहीदुल्लाह जादरान की उम्र आखिर कितनी कम है, जिसके चलते वो ऑक्शन में एंट्री लेने वाले 350 खिलाड़ियों के बीच सबसे युवा हैं? अफगानिस्तान से आने वाले वहीदुल्लाह जादरान की उम्र 18 साल से थोड़ी ही ज्यादा है. आईपीएल 2026 के ऑक्शन वाले दिन वो बस 18 साल और 31 दिन के होंगे. इस उम्र के साथ वो ऑक्शन में भाग ले रहे खिलाड़ियों के बीच सबसे यंग होंगे.

19 टी20 मुकाबलों में झटके हैं 28 विकेट- वहीदुल्लाह जादरान दाएं हाथ के स्पिनर हैं और आईपीएल ऑक्शन में उतरने से पहले उनके पास 19 टी20 खेलने का तजुर्बा है, जिसमें उन्होंने 28 विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट परफॉर्मेन्स 22 रन पर 4 विकेट लेने का है. वहीदुल्लाह जादरान के पास आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने से पहले आईएलटी टी20 में खेलने का भी अनुभव है. वहीदुल्लाह जादरान ने आईपीएल ऑक्शन में अपनी बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखी है.

मुंबई रैंप वॉक में साथ चलेंगे मेसी-सुआरेज

कोलकाता, एजेंसी। अर्जेंटीना के अनुभवी फुटबॉलर लियोनल मेसी के भारत दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेसी का दौरा कोलकाता से शुरू होगा और वह मुंबई, हैदराबाद और नई दिल्ली भी जाएंगे। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस महीने भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी इस दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे। उनके साथ जोड़ीदार लुइ सुआरेज भी इसमें हिस्सा लेंगे। रैंप वॉक के आयोजकों ने उनसे 2022 फीफा विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है। जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर 2025 के प्रमोटेर सतादरू दत्ता ने मंगलवार को बताया कि मेसी, सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे।

मेसी की प्रतिमा का होगा अनावरण

कोलकाता चरण में मेस की अब तक की सबसे बड़ी 70 फीट की प्रतिमा का अनावरण सुरक्षा कारणों से टीम होटल से वर्चुअली किया जाएगा। आठ बार के बेलोन डिओर विजेता मेसी अनावरण के लिए पहले स्वयं श्रीभूमि जाने वाले थे। कोलकाता पुलिस के सूत्र ने पुष्टि की है कि मेसी शनिवार तड़के डेढ़ बजे शहर में पहुंचेंगे और ईएम बाईपास पर एक पांच सितारा होटल में रुकेंगे। प्रायोजकों के लिए विशेष मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ से साढ़े 10 बजे तक बजे तक चलेगा। दुर्गा पूजा सत्र के लिए तैयार किया गया मेस्सी का 25 गुणा 20 फीट का भित्ति चित्र भी सॉल्ट लेक स्टेडियम में इस दिग्गज को सौंपा जाएगा। कोलकाता में होने वाले कार्यक्रम में 70 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

वानखेड़े स्टेडियम में होगा कार्यक्रम

दत्ता ने बताया कि यह धर्मार्थ फैशन शो होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेसी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा।

विश्व कप की यादगार चीजें नीलामी के लिए मांगी

नई दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के बाद मेसी सॉल्ट लेक स्टेडियम जाएंगे और दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद आयोजकों ने हैदराबाद को दौरे में शामिल किया है। मेसी शाम सात बजे हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हैदराबाद जीओएटी कप के दौरान मौजूदगी रहेंगे जिसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन हासिल है। मेस्सी सोमवार को नई दिल्ली मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। मेसी के नई दिल्ली यात्रा के दौरान नौ सदस्यीय सेलीब्रिटी मैच भी होगा। वर्ष 2011 के बाद पहली बार भारत आ रहे मेसी के दौरे को 15 अगस्त को स्वीकृति मिली थी।

पहला टी20: वापसी के साथ पंड्या का तूफान

भारत ने साउथ अफ्रीका को 101 रन से रौंदा

कटक, एजेंसी। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बाराबती स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को 101 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अभिषेक शर्मा ने तिलक वर्मा के साथ टीम को संभाला। अभिषेक ने 17 रन, जबकि तिलक वर्मा ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पंड्या श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2025 के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह इस मुकाबले में पहली बार टीम इंडिया की ओर से खेलते नजर आए।

विपक्षी टीम की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि लुथो सिपामला ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, डोनोवन फेरीरा ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 12.3 ओवरों में महज 74 रन पर सिमट गई।

जसप्रीत बुमराह ने 'शतक' के साथ रचा इतिहास, किसी भारतीय गेंदबाज ने नहीं किया ऐसा; वर्ल्ड रिकॉर्ड की खास लिस्ट में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कटक में खेले पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 101 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की। इस जीत में 3 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लेते हुए जसप्रीत बुमराह ने भी अहम योगदान दिया। इस पारी में दो विकेट लेकर बुमराह ने अपने 100 टी20 इंटरनेशनल विकेट भी पूरे कर लिए। इतना ही नहीं वह तीनों फॉर्मेट में विकेटों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बने। जसप्रीत बुमराह ने वो कारनामा किया है जो इससे पहले कोई भी भारतीय गेंदबाज अपने करियर में नहीं कर पाए। टी20 इंटरनेशनल में वह अर्शदीप सिंह (107) के बाद अब 100 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। जस्सी के नाम अभी तक टेस्ट में भी 234 और वनडे क्रिकेट में 149 विकेट दर्ज हैं। यानी तीनों फॉर्मेट में वह 100 विकेटों का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670